उत्तराखण्ड शासन

संस्कृति विभाग

आउटकम बजट

(वर्ष 2013–2014)

विषय–सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी	3
	❖ संगठनात्मक ढ़ाँचा	4–14
	❖ विभाग द्वारा संचालित योजनाएं/कार्यक्रमों की सूची	15
	❖ महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रमों का उल्लेख	16
2.	विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2013–14 की) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना	17–32
3.	विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल	
	❖ निर्धारित आउटपुट/आउटकम को प्राप्त करने हेतु दक्षता वृद्धि एवं उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु किये गये उपाय, अधिकारों का विकेन्द्रीकरण तथा पी0पी0पी0 परियोजनाओं का विशेष उल्लेख	33–34
4.	गत वर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा	35–78
	❖ योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2012–13)	79–93
5.	वित्तीय समीक्षा	
	❖ योजनावार प्राविधान तथा व्यय (वित्तीय वर्ष 2012–13)	94–97

अध्याय–1

1. विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी

उत्तराखण्ड की गौरवमयी लोक पारम्परिक एवं पौराणिक आध्यात्मिक लोक सांस्कृतिक विरासत भारतवर्ष में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में अपना अलग स्थान रखती है। अनादिकाल से यह भूमि भारतीय दर्शन, चिन्तन, मनन, आध्यात्म, साधना तथा धर्म एवं संस्कृति का केन्द्र रही है। पवित्र गंगा–यमुना के उद्‌गम स्थल तथा मनीषियों एवं ऋषियों की तपस्थली, वेद पुराणों के रचना केन्द्र, देवभूमि के नाम से ख्याति प्राप्त इस क्षेत्र को विशेष महत्व दिया गया है। धर्म और दर्शन के साथ–साथ यहाँ के साहित्य, कला एवं संस्कृति से जुड़े हर पहलुओं ने भी सहस्र वर्षों से भारतीय संस्कृति को परिष्कृत किया है।

संस्कृति विभाग का मुख्य उद्‌देश्य राज्य की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण–संवर्द्धन एवं उनका सर्वांगीण विकास करना है। इसी क्रम में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रख–रखाव एवं उन्नयन हेतु संगीत, नृत्य, नाटक, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक कला आदि का विकास तथा इनका व्यापक प्रचार–प्रसार, प्राचीन पुरातात्विक स्थलों एवं स्मारकों का संरक्षण, सर्वेक्षण, अनुरक्षण एवं प्राचीन अभिलेखों व दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संग्रहीत कर उनका वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण तथा उत्तराखण्ड की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखना आदि महत्वपूर्ण कार्यों का सम्पादन करना है।

इन महत्वपूर्ण कार्यों के क्रियान्वयन से विभाग प्रदेश की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ–साथ भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कराने का कार्य भी करता है।

संगठनात्मक ढ़ाँचा

अ–शासन स्तरीय

क्र0सं0	पदनाम	पदों की संख्या	
		कार्यरत	रिक्त
1–	सचिव	01	–
2–	उप सचिव	01	–
3–	अनुभाग अधिकारी	01	–
4–	समीक्षा अधिकारी	01	–
	योग–	04	–

ब–निदेशालय/अधीनस्थ इकाइयाँ

क्र0सं0	श्रेणी	स्वीकृत	पदों की संख्या	
			कार्यरत	रिक्त
			आयोजनेत्तर	
1–	समूह क	06	02	04
2–	समूह ख	06	02	04
3–	समूह ग	66	40	26
4–	समूह घ	50	35	15
	योग (आयोजनेत्तर)	128	79	49
			आयोजनागत	
1–	समूह क	03	01	02
2–	समूह ख	03	01	02
3–	समूह ग	77	28	49
4–	समूह घ	19	02	17
	योग (आयोजनागत)	102	32	70
	कुल योग आयोजनेत्तर + आयोजनागत	230	111	119

संस्कृति निदेशालय तथा इसकी अधीनस्थ संस्थाओं में सृजित पदों का विवरण

1– संस्कृति निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून–संस्कृति विभाग से सम्बन्धित समस्त कार्यों का सम्पादन विभागाध्यक्ष स्तर पर संस्कृति निदेशालय द्वारा किया जाता है तथा विभाग के अधीनस्थ सभी सरकारी संगठनों और स्वायत्तशासी संस्थानों की देख–रेख करता है और निर्देश देता है। भारत के हिमालयी क्षेत्र में बसा उत्तराखण्ड राज्य जिसकी अपनी एक विशिष्ट संस्कृति है। प्रदेश की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं कलात्मक निधि के संरक्षण, उन्नयन, प्रदर्शन, प्रकाशन, अभिलेखीकरण एवं अध्ययन की दृष्टि से वर्ष 2001 में संस्कृति निदेशालय की स्थापना की गयी। निदेशालय के अन्तर्गत वर्तमान समय में निम्नलिखित पद सृजित हैं:–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	निदेशक	37400–67000	8900	01	–	01
2.	संयुक्त निदेशक	15600–39100	7600	01	01	–
3.	उप निदेशक	15600–39100	6600	01	–	01
4.	सहायक निदेशक	15600–39100	5400	01	01	–
5.	पुरातत्व अभियन्ता	15600–39100	5400	01	–	01
6.	फोटो अधिकारी	9300–34800	4600	01	01	–
7.	प्रशासनिक अधिकारी	9300–34800	4600	02	02	–
8.	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक	9300–34800	4600	01	–	01
9.	लेखाकार	9300–34800	4200	04	03	01
10.	प्रधान सहायक	9300–34800	4200	02	02	–
11.	अवर अभियन्ता	5200–20200	2800	01	–	01
12.	फोटोग्राफर	5200–20200	2800	01	–	01
13.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	03	02	01
14.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	04	04	–
15.	अनुसेवक	5200–20200	1800	02	–	02
		योग–		26	16	10

2– संस्कृति भवन (प्रेक्षागृह) पौड़ी–राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय सेमीनार/सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के आयोजन हेतु जनपद मुख्यालय पौड़ी में संस्कृति भवन (प्रेक्षागृह) की स्थापना की गयी। इसके संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैं:–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	प्रबन्धक ऑडिटोरियम	5200–20200	2400	01	01	–
2.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
3.	अनुसेवक/मंच सहायक	5200–20200	1800	01	–	01
4.	स्वच्छक सह चौकीदार	5200–20200	1800	01	01	–
		योग–		04	03	01

3– भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, देहरादून–प्रदेश में शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं लोक संगीत के इच्छुक लोगों को प्रामाणिक एवं मानक शिक्षा देने व राज्य में संगीत के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से देहरादून में भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय की स्थापना की गयी। इस महाविद्यालय के लिए वर्तमान में निम्नलिखित पद सृजित हैं:–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	प्रधानाचार्य	15600–39100	7600	01	–	01
2.	प्रवक्ता गायन	15600–39100	5400	01	–	01
3.	प्रवक्ता कथक	15600–39100	5400	01	–	01
4.	प्रवक्ता सितार	15600–39100	5400	01	01	–
5.	कनिष्ठ प्रवक्ता लोकनृत्य	9300–34800	4600	01	01	–
6.	कनिष्ठ प्रवक्ता भरतनाट्यम	9300–34800	4600	01	–	01
7.	कनिष्ठ प्रवक्ता तबला	9300–34800	4600	01	01	–
8.	लेखाकार	9300–34800	4200	01	–	01
9.	प्रधान सहायक	9300–34800	4200	01	01	–
10.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
11.	संगतकर्ता लोकवाद्य	5200–20200	2400	01	–	01
12.	संगतकर्ता लोकनृत्य	5200–20200	2400	01	–	01
13.	संगतकर्ता मृदंग	5200–20200	2400	01	–	01
14.	संगतकर्ता गायन भरतनाट्यम	5200–20200	2400	01	01	–
15.	संगतकर्ता तबला	5200–20200	2400	03	02	01
16.	संगतकर्ता सारंगी	5200–20200	2400	02	01	01
17.	अनुसेवक/स्वच्छक	5200–20200	1800	03	03	–
		योग–		22	12	10

4– भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा–संगीत शिक्षा के विकेन्द्रीकरण किये जाने की दिशा में तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत शिक्षण और सांस्कृतिक उन्नयन के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए कुमाऊँ मण्डल के अन्तर्गत अल्मोड़ा में भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय की स्थापना की गयी। इस महाविद्यालय के लिए वर्तमान में निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	प्रधानाचार्य	15600–39100	7600	01	01	–
2.	प्रवक्ता गायन	15600–39100	5400	01	–	01
3.	प्रवक्ता कथक	15600–39100	5400	01	–	01
4.	प्रवक्ता सितार	15600–39100	5400	01	–	01
5.	कनिष्ठ प्रवक्ता गायन	9300–34800	4600	01	–	01
6.	कनिष्ठ प्रवक्ता कथक	9300–34800	4600	01	01	–
7.	कनिष्ठ प्रवक्ता सितार	9300–34800	4600	01	01	–
8.	कनिष्ठ प्रवक्ता लोकनृत्य	9300–34800	4600	01	–	01
9.	कनिष्ठ प्रवक्ता भरतनाट्यम	9300–34800	4600	01	–	01
10.	लेखाकार	9300–34800	4200	01	01	–
11.	प्रधान सहायक	9300–34800	4200	01	01	–
12.	सहायक लेखाकार	5200–20200	2800	01	–	01
13.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
14.	संगतकर्ता लोकवाद्य	5200–20200	2400	01	–	01
15.	संगतकर्ता लोकनृत्य	5200–20200	2400	01	–	01
16.	संगतकर्ता मृदंग	5200–20200	2400	01	–	01
17.	संगतकर्ता गायन	5200–20200	2400	01	–	01
18.	संगतकर्ता तबला	5200–20200	2400	03	01	02
19.	संगतकर्ता सारंगी	5200–20200	2400	01	01	–
20.	संगतकर्ता गायन भरतनाट्यम	5200–20200	2400	01	–	01
21.	अनुसेवक/स्वच्छक	5200–20200	1800	07	06	01
		योग–		29	14	15

5– भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, पौड़ी–संगीत शिक्षा के विकेन्द्रीकरण किये जाने की दिशा में तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत शिक्षण और सांस्कृतिक उन्नयन के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए गढ़वाल मण्डल के अन्तर्गत पौड़ी में भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय की स्थापना की गयी। इस महाविद्यालय के लिए वर्तमान में निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	कनिष्ठ प्रवक्ता लोकनृत्य	9300–34800	4600	01	01	–
2.	कनिष्ठ प्रवक्ता तबला	9300–34800	4600	01	–	01
3.	कनिष्ठ प्रवक्ता सितार	9300–34800	4600	01	–	01
4.	कनिष्ठ प्रवक्ता गायन	9300–34800	4600	01	–	01
5.	प्रधान सहायक	9300–34800	4200	01	01	–
6.	संगतकर्ता तबला	5200–20200	2400	02	01	01
7.	संगतकर्ता सारंगी	5200–20200	2400	01	–	01
8.	संगतकर्ता लोकवाद्य	5200–20200	2400	01	01	–
9.	संगतकर्ता लोकनृत्य	5200–20200	2400	01	–	01
10.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	–	01
11.	अनुसेवक/स्वच्छक	5200–20200	1800	03	01	02
		योग–		14	05	09

6– स्व0 गोबिन्द बल्लभ पंत लोक कला संस्थान, अल्मोड़ा–उत्तराखण्ड की लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से सरकार द्वारा वर्ष 1989 में अल्मोड़ा में स्व0 गो0 ब0 पन्त लोक कला संस्थान की स्थापना की गयी। वर्तमान में इस संस्थान के लिए निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	शोध अधिकारी	9300–34800	4600	01	01	–
2.	सहायक लेखाकार	5200–20200	2800	01	–	01
3.	डॉक्यूमेन्टेशन सहायक	5200–20200	2400	01	–	01
4.	अनुसेवक	5200–20200	1800	01	01	–
5.	स्वच्छक (नियत वेतन)	300.00		01	01	–
		योग–		05	03	02

7– पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना, नैनीताल–इस योजना के तहत राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन का कार्य कर पंजीकरण की कार्यवाही की जाती है। लावारिस पुरावशेषों के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय कार्य बल/पुरावशेष सुरक्षा समिति का गठन कर सुरक्षा की कार्यवाही की जाती है। इन कार्यों के क्रियान्वयन हेतु केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत नैनीताल में पुरावेशष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना संचालित की जा रही है। वर्तमान में इस योजना हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	रजिस्ट्रीकरण अधिकारी	15600–39100	5400	01	–	01
2.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	01	–
3.	अनुसेवक	5200–20200	1800	02	–	02
		योग–		04	01	03

8– क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी – प्रदेश के गढ़वाल मण्डल में बिखरी पुरासम्पदा की खोज हेतु सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पुरास्थलों का उत्खनन, राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण व रख–रखाव एवं पुरावशेषों के प्रति जनचेतना जागृत करने के उद्देश्य से पौड़ी में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई की स्थापना की गयी। वर्तमान में इस इकाई हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	15600–39100	5400	01	01	–
2.	अन्वेषण सहायक	9300–34800	4600	01	–	01
3.	लेखाकार	9300–34800	4200	01	–	01
4.	संरक्षण सहायक	5200–20200	2800	01	–	01
5.	मानचित्रकार	5200–20200	2800	01	–	01
6.	फोटोग्राफर	5200–20200	2800	01	01	–
7.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
8.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	01	–
9.	चालक	5200–20200	1900	01	–	01
10.	अनुसेवक/स्मारक परिचर	5200–20200	1800	07	04	03
11.	स्वच्छक (नियत वेतन)	300.00		01	01	–
		योग–		17	09	08

9– क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, अल्मोड़ा – प्रदेश के कुमाऊँ मण्डल में बिखरी पुरासम्पदा की खोज हेतु सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पुरास्थलों का उत्खनन, राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण व रख–रखाव एवं पुरावशेषों के प्रति जनचेतना जागृत करने के उद्देश्य से अल्मोड़ा में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई की स्थापना की गयी। वर्तमान में इस इकाई हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	15600–39100	5400	01	–	01
2.	अन्वेषण सहायक	9300–34800	4600	01	01	–
3.	लेखाकार	9300–34800	4200	01	01	–
4.	संरक्षण सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
5.	मानचित्रकार	5200–20200	2800	01	–	01
6.	फोटोग्राफर	5200–20200	2800	01	01	–
7.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
8.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	01	–
9.	चालक	5200–20200	1900	01	–	01
10.	अनुसेवक/स्मारक परिचर	5200–20200	1800	07	07	–
11.	स्वच्छक (नियत वेतन)	300.00		01	01	–
		योग–		17	14	03

10– राज्य अभिलेखागार, उत्तराखण्ड, देहरादून – अभिलेख किसी भी राष्ट्र व प्रदेश के लिए बहुमूल्य धरोहर है। प्राचीन एवं दुर्लभ अभिलेखों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षिक महत्व है। अभिलेखों के अन्तर्गत दस्तावेज, प्रपत्र, पत्रावलियां, छायाचित्र, मानचित्र इत्यादि महत्वपूर्ण अभिलेख आते हैं। इन अभिलेखों को भावी पीढ़ी के लिए धरोहर के रूप में सुरक्षित रखने एवं इनका लाभ भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित रखने का दायित्व अभिलेखागार का है। अभिलेखों की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य में पूर्व से स्थापित क्षेत्रीय अभिलेखागार, देहरादून को राज्य अभिलेखागार का स्तर प्रदान किया गया है। वर्तमान में राज्य अभिलेखागार, उत्तराखण्ड, देहरादून के लिए निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	निदेशक	15600–39100	6600	01	01	–
2.	उप निदेशक	15600–39100	6600	01	–	01
3.	सहायक निदेशक, संरक्षण एवं प्रशासन	9300–34800	4600	01	–	01
4.	वैयक्तिक अधिकारी	9300–34800	4600	01	01	–

5.	प्रशासनिक अधिकारी	9300–34800	4600	01	01	–
6.	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	9300–34800	4200	02	01	01
7.	प्राविधिक सहायक (उर्दू)	9300–34800	4200	01	–	01
8.	माइक्रो फोटोग्राफिस्ट	9300–34800	4200	01	–	01
9.	कम्प्यूटर आपरेटर	9300–34800	4200	01	–	01
10.	प्रकाशन सहायक	9300–34800	4200	01	01	–
11.	पुस्तकालयाध्यक्ष	5200–20200	2800	01	01	–
12.	सहायक लेखाकार	5200–20200	2800	01	–	01
13.	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक (इतिहास)	5200–20200	2800	03	–	03
14.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	02	02	–
15.	वैयक्तिक सहायक	5200–20200	2800	01	–	01
16.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	03	03	–
17.	माइक्रोफिल्म आपरेटर	5200–20200	1900	01	–	01
18.	हेडमेण्डर	5200–20200	1900	01	01	–
19.	मेण्डर	5200–20200	1800	03	–	03
20	बण्डल लिफ्टर	5200–20200	1800	02	–	02
21.	अनुसेवक/चौकीदार	5200–20200	1800	02	01	01
		योग–		31	13	18

11– क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल – प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, मण्डलीय एवं जिला स्तर के कार्यालय एवं अर्द्ध शासकीय स्रोतों में उपलब्ध अभिलेखों का स्थानान्तरण एवं समुचित संरक्षण के विकेन्द्रीकरण किये जाने की दिशा में नैनीताल में क्षेत्रीय अभिलेखागार की स्थापना की गयी। वर्तमान में क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल के लिए निम्नलिखित पद सृजित हैं :–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	9300–34800	4600	01	–	01
2.	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक (इतिहास)	5200–20200	2800	01	–	01
3.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	01	–
4.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	01	–
5.	फोटोकॉपियर आपरेटर	5200–20200	1900	01	01	–
6.	मेण्डर	5200–20200	1800	01	01	–
7.	अनुसेवक	5200–20200	1800	02	01	01
		योग–		08	05	03

12– पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा – प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरे कलावशेषों के अधिग्रहण, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन, प्रकाशन एवं शोध को दृष्टिगत रखते हुए राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा की स्थापना की गयी। वर्तमान में राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा के संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	निदेशक	15600–39100	6600	01	–	01
2.	प्रदर्शक व्याख्याता	9300–34800	4200	01	01	–
3.	मूर्तिकार	9300–34800	4200	01	01	–
4.	रसायनविद	5200–20200	2800	01	01	–
5.	फोटोग्राफर	5200–20200	2800	01	01	–
6.	वैयक्तिक सहायक	5200–20200	2800	01	–	01
7.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	02	02	–
8.	वीथिका सहायक	5200–20200	2400	01	–	01
9.	अभिरक्षक	5200–20200	2400	01	01	–
10.	वाहन चालक	5200–20200	1900	01	01	–
11.	पैडस्टल मेकर	5200–20200	1800	01	01	–
12.	बढ़ई	5200–20200	1800	01	–	01
13.	अनुसेवक/लैब परिचर/ वीथिका परिचर/स्वच्छक	5200–20200	1800	11	07	04
		योग–		24	16	08

13–राजकीय संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह, पिथौरागढ़ – प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरे कलावशेषों के अधिग्रहण, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन, प्रकाशन एवं शोध को दृष्टिगत रखते हुए राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा के अतिरिक्त पिथौरागढ़ में अलग से एक संग्रहालय की स्थापना की गयी है। राजकीय संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह, पिथौरागढ़ के संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैंः–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300–34800	4600	01	–	01
2.	लेखाकार	9300–34800	4200	01	–	01
3.	प्रदर्शक व्याख्याता	9300–34800	4200	01	–	01
4.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	–	01
5.	वीथिका सहायक	5200–20200	2400	01	–	01
6.	अनुसेवक/लैब परिचर/ वीथिका परिचर/स्वच्छक	5200–20200	1800	05	–	05
		योग–		10	–	10

14– उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद, देहरादून – प्रदेश में साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पुरातत्व एवं संस्कृति की अन्य विधाओं के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास की दृष्टि से मार्ग–निर्देश गठित किये जाने एवं उनके क्रियान्वयन कराये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना की गयी है। परिषद द्वारा किये जाने वाले सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कला से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद, देहरादून के लिए निम्नलिखित पद सृजित हैं:–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	विशेष कार्याधिकारी	15600–39100	6600	01	–	01
2.	वैयक्तिक सहायक	9300–34800	4200	01	–	01
3.	पुस्तकालयाध्यक्ष	9300–34800	4200	01	–	01
4.	सहायक लेखाकार	5200–20200	2800	01	–	01
5.	वरिष्ठ सहायक	5200–20200	2800	01	–	01
6.	कनिष्ठ सहायक/स्टोरकीपर	5200–20200	2000	02	–	02
		योग–		07	–	07

15– रंगमण्डल, अल्मोड़ा – प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने, रंगमंच को सही दिशा–निर्देश देने, पिछड़े अंचलों में सुसंगत नाट्य शिविरों का आयोजन तथा नाट्य कलाओं के सुव्यवस्थित एवं चहुमुखी विकास के उद्देश्य से कुमाऊँ मण्डल में रंगमण्डल, अल्मोड़ा की स्थापना की गयी। रंगमण्डल, अल्मोड़ा के संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैं :–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	रंगमण्डल संयोजक	9300–34800	4600	01	–	01
2.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	–	01
3.	ध्वनि टैक्नीशियन	5200–20200	1900	01	–	01
4.	प्रकाश टैक्नीशियन	5200–20200	1900	01	–	01
5.	कारपेन्टर/बढ़ई	5200–20200	1800	01	–	01
6.	अनुसेवक	5200–20200	1800	01	–	01
		योग–		06	–	06

16– रंगमण्डल, देहरादून – प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने, रंगमंच को सही दिशा–निर्देश देने, पिछड़े अंचलों में सुसंगत नाट्य शिविरों का आयोजन तथा नाट्य कलाओं के सुव्यवस्थित एवं चहुमुखी विकास के उद्देश्य से गढ़वाल मण्डल में रंगमण्डल, देहरादून की स्थापना की गयी। रंगमण्डल, देहरादून के संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित हैं :–

क्र0 सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	सृजित पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	रंगमण्डल संयोजक	9300–34800	4600	01	–	01
2.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2000	01	–	01
3.	ध्वनि टैक्नीशियन	5200–20200	1900	01	–	01
4.	प्रकाश टैक्नीशियन	5200–20200	1900	01	–	01
5.	कारपेन्टर/बढ़ई	5200–20200	1800	01	–	01
6.	अनुसेवक	5200–20200	1800	01	–	01
		योग–		06	–	06

❖ विभाग द्वारा संचालित योजनाएँ/कार्यक्रमों की सूची

1.	सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नाट्य समारोह का आयोजन।
2.	वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन।
3.	सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान।
4.	विभागीय संग्रहालय, लोक संग्रहालय, संगीत विद्यालय, प्रेक्षागृह, सांस्कृतिक परिसर, नेहरू हेरिटेज सेन्टर आदि का निर्माण।
5.	सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय एवं संरक्षित स्मारकों व प्राचीन भवनों का संरक्षण।
6.	धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थाई निवासियों को आर्थिक सहायता।
7.	महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन।
8.	कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति योजना एवं कलाकारों को जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार।
9.	शहीद स्मारकों का निर्माण एवं महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना।
10.	देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।
11.	लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।
12.	मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता।
13.	संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण।
14.	स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन।
15.	अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु वित्तीय सहायता।
16.	क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता।
17.	कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता।
18.	लोक संगीत एवे लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेंटेशन का कार्य ।
19.	अनुसूचित जाति के व्यक्तियों हेतु पारम्परिक वाद्ययंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय।
20.	अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक परिसर आदि का निर्माण।
21.	जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखीकरण, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना।
22.	जनजाति के व्यक्तियों हेतु पारम्परिक वाद्ययंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय।

❖ महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रमों का उल्लेख

1. प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित मेलों, त्योहारों, पर्वों एवं उत्सवों के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में सांस्कृतिक दलों को प्रस्तुति हेतु अनुबन्धित किया जाता है। एक सांस्कृतिक दल में कम से कम 20 लोक कलाकार होते हैं जिसमें 8 महिला एवं 12 पुरूष कलाकारों द्वारा कार्यक्रम में प्रस्तुति दी जाती है। संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित प्रत्येक ऐतिहासिक एवं पारम्परिक मेलों में 40 प्रतिशत महिला कलाकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। इन महिला कलाकारों के मानदेय आदि का भुगतान विभागीय लेखाशीर्षक 2205–00–001–03–00–42–अन्य व्यय से वहन किया जाता है।

2. भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति का भुगतान विभागीय लेखाशीर्षक–2205–00–101–03– 00–21–छात्रवृत्तियां और छात्र वेतन मद से वहन किया जाता है।

3. वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन योजनान्तर्गत वर्तमान में 16 महिला कलाकारों, लेखकों को ₹ 3000.00 प्रतिमाह की दर से पेंशन का भुगतान विभागीय लेखाशीर्षक–2205–00–102–09–00–20–सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद से वहन किया जाता है।

4. कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने वाले प्रदेश के महिला स्थायी निवासियों को ₹ 25000.00 मात्र की दर से वित्तीय सहायता लेखाशीर्षक–2205–00–102–34–00–20–सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद से वहन किया गया है।

5. प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित ऐतिहासिक एवं पौराणिक मेलों के आयोजनार्थ मेला समितियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनार्थ अनुदान दिया जाता है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 40 प्रतिशत भागीदारी महिला कलाकारों की होती है। इस प्रयोजनार्थ होने वाले व्यय का वहन लेखाशीर्षक–2205–00–102–35–00–20–सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद से वहन किया जाता है।

अध्याय–2

2. विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2013–14 की) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

(आउट ले की धनराशि हजार ₹ में)

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
2205–कला एवं संस्कृति–00–001– निदेशन तथा प्रशासन 03–सांस्कृतिक कार्य निदेशालय	संस्कृति विभाग से सम्बन्धित समस्त कार्यों के सम्पादन एवं नियंत्रण तथा विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु संस्कृति निदेशालय की स्थापना। प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर लोक कलाकारों को लोक कलाओं की प्रस्तुति तथा नाटक आदि के मंचन हेतु पौड़ी में संस्कृति भवन की स्थापना। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण हेतु प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से रामपुर तिराहा, मुजफ्फर नगर में शहीद स्मारक की स्थापना।	13632	–	–	–	–	संस्कृति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को उपलब्ध कराना।	संस्कृति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को उपलब्ध कराना।	–

42–अन्य व्यय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन	प्रदेश की लुप्तप्रायः लोक संस्कृति के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उन्नयन हेतु प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित पारम्परिक एवं ऐतिहासिक मेलों, त्योहारों, पर्वों एवं उत्सवों के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।	–	18000		400 मेले/पर्व	1 वर्ष	–	असंख्य जनमानस को प्रदेश की संस्कृति से रू–ब–रू कराना।	2 वर्ष
101–ललित कला शिक्षा–03–भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संस्कृति के प्रति छात्र–छात्राओं में अभिरूचि बनाये रखने तथा इन विधाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने के उद्देश्य से भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय , अल्मोड़ा, देहरादून एवं पौड़ी की स्थापना।	17979	–	–	40 छात्र–छात्राएं	6 वर्ष	–	संगीत की विभिन्न विधाओं में मानक शिक्षा प्रदान कर रोजगार परक बनाना।	8 वर्ष
102–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन–0102–अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु सहायता	शासकीय एवं गैर सरकारी संगठनों को सार्वजनिक अभिलेख, पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण सूचीपत्र, कापियर्स, कैमरा, रीडर्स तथा भवनों के जीर्णोद्धार एवं सुधार हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	–	250	–	2 गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता	1 वर्ष	–	दुर्लभ पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों का संरक्षण करना।	3 वर्ष

0103–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता	शासकीय एवं अशासकीय संग्रहालयों के व्यावसायिक विकास जिसमें वीथिकाओं की मरम्मत, जीर्णोद्धार विस्तार हेतु तथा प्रकाशन,अनुरक्षण प्रयोगशाला, संग्रहालय पुस्तकालय, यंत्र एवं अभिलेखी–करण हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	–	1000	–	4 शासकीय एवं अशासकीय संग्रहालयों को वित्तीय सहायता	1 वर्ष	–	सरकारी एवं गैर सरकारी संग्रहालयों को उनके उचित संचालन, प्रबन्धन तथा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण एवं प्रदर्शन।	3 वर्ष
0110–कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े विपन्न कलाकार तथा उनके आश्रितों को राज्यांश के रूप में रू0 500 मासिक पेंशन का भुगतान।	–	25	–	1 मृतक कलाकार आश्रित	1 वर्ष	–	सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने वाले तथा लोक कला को जीवन्त बनाये रखने वाले वयोवृद्ध लोक कलाकारों एवं उनके आश्रितों को जीवन यापन के लिए मासिक पेंशन प्रदान कर भावी पीढ़ी में लोक कला के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कराना।	2 वर्ष
03–स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान	प्रदेश की संस्कृति यथा लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक नाट्य, लोक वाद्य, वेश–भूषा एवं ऐतिहासिक वस्तुओं के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन में संलग्न एवं अनवरत रूप से कार्यरत व्यक्तियों /गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक अनुदान।	–	4000	–	20 गैर सरकारी संगठनों को विभिन्न प्रयोजनार्थ अनुदान।	1 वर्ष	–	प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के लिये इस कार्य से जुड़े गैर सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।	3 वर्ष

04–स्व0 गो0ब0 पन्त लोक कला संस्थान	लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से अल्मोड़ा में लोक कला संस्थान की स्थापना।	1345	–	–	2 लोक कलाकारों के लोक गीत/ गाथाओं का संकलन।	1 वर्ष	–	प्रदेश की लुप्तप्राय लोक कलाओं को प्रकाश में लाकर विशिष्ट पहचान दिलाना जिससे लोक कलाएं जीविकोपार्जन का साधन भी बन सकेंगी।	2 वर्ष
06–साहित्यिक कला परिषद की स्थापना	साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पुरातत्व एवं संस्कृति की अन्य विधाओं के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास हेतु देहरादून में संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना।	1	1000	–	परिषद में साहित्य, कला एवं लोक संगीत के क्षेत्र में निपुण 20 गैर सरकारी सदस्यों का मनोनयन।	3 वर्ष	–	संस्कृति, साहित्य एवं कला के क्षेत्र में मूर्धन्य व्यक्तित्वों के अनुभवों का लाभ लेकर प्रदेश की समृद्धशाली कला एवं संस्कृति को अक्षुण्ण रखा जा सकेगा।	5 वर्ष
08–रंगमण्डल स्थापना	विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने, रंगमंच को सही दिशा–निर्देश देने, पिछड़े अंचलों में सुसंगत नाट्य शिविरों का आयोजन तथा प्रदेश के युवाओं में लोक संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से	500	1000	–	50 प्रशिक्षुओं को रंगमंच एवं अभिनय कला आदि का प्रशिक्षण।	1 वर्ष	–	अभिनय कला का कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षुओं को रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष

	देहरादून एवं अल्मोड़ा में रंगमण्डल की स्थापना।								
09–वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े कलाकार एवं लेखक जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पार कर ली हो तथा वृद्धावस्था एवं अस्वस्थता के कारण अपने जीवन यापन करने में असमर्थ हो गये हों, ऐसे वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों, लेखकों एवं साहित्यकारों को मासिक पेंशन का भुगतान।	–	5000	–	150 वृद्ध एवं विपन्न लोक कलाकारों/ साहित्यकारों को मासिक पेंशन।	1 वर्ष	–	प्रदेश के वृद्ध एवं विपन्न कला कारों, साहित्यकारों को उनके जीवन यापन हेतु पेंशन भुगतान से प्रेरणा पाकर भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी तथा साथ ही साथ उन्हें इस कला को अपनाने में उनका भविष्य भी आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित रहेगा।	2 वर्ष
10–महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना– 1091– जिला योजना	महान विभूतियों तथा शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से मूर्ति स्थापना एवं शहीद स्मारकों का निर्माण।	–	8000	–	20 महान विभूतियों एवं शहीदों की मूर्ति स्थापना।	1 वर्ष	–	शहीदों का बलिदान एवं महान विभूतियों का योगदान असंख्य जनमानस विशेषकर युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणास्रोत होगा।	3 वर्ष
12–शहीद स्मारक	शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।	4000	–	4 शहीद स्मारकों का जीर्णोद्धार	–	1 वर्ष	जन सामान्य शहीदों के त्याग व बलिदान से परिचित होंगे।	–	3 वर्ष

13–उदय शंकर नृत्य अकादमी का संचालन	भारत की विभिन्न लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों पर आधारित अभिनय कला के नियमित प्रशिक्षण दिये जाने हेतु अल्मोड़ा में उदयशंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी की स्थापना।	–	7000	–	अल्मोड़ा में अकादमी भवन का निर्माण।	2 वर्ष	–	पं0 उदय शंकर की विशिष्ट शैली के अध्ययन/प्रशिक्षण से भावी पीढ़ी लाभान्वित होगी।	5 वर्ष
19–सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं जो आज भी जनमानस के नियंत्रण में हैं, ऐसे बहुमूल्य कलाकृतियों एवं पुरावशेषों को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से क्रय किया जाना। इसके अतिरिक्त पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्मारकों का विकास तथा इनके मूलस्वरूप को बनाये रखने के उद्देश्य से प्रदेश के महत्वपूर्ण स्मारकों एवं भवनों का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाना।	–	6000	–	प्रदेश के संग्रहालयों हेतु 25 दुर्लभ एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय।	1 वर्ष	–	पुरासम्पदा के महत्व के बारे में आम जनमानस को जानकारी देना तथा उनके नियंत्रण में उपलब्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित करना।	3 वर्ष

23–महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	देश एवं प्रदेश के महान विभूतियों के योगदान को भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों एवं गोष्ठियों का आयोजन।	–	800	–	भारत रत्न पं0 गो0ब0पंत आदि महान विभूतियों के जन्म दिवस समारोह।	1 वर्ष	–	महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उनके आदर्शों पर चलने हेतु आम जनमानस को प्रेरित करना।	1 वर्ष
25–कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति योजना	कनिष्ठ कलाकारों को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने तथा वरिष्ठ कलाकारों को उनकी सृजनात्मक कृतियों के लिये छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिया जाना।	–	1500	–	15 कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों को छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार।	1 वर्ष	–	प्रदेश की संस्कृति को जीवित रखने तथा इसके प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों को छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिये जाने के फलस्वरूप युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।	3 वर्ष
32–देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना	प्रदेश में साहित्य, संस्कृति, लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, नाट्य कला, शास्त्रीय संगीत तथा ललित कला के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन हेतु देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	–	1500	–	प्रदेश में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	3 वर्ष	–	संस्कृति की विभिन्न कलारूपों के प्रशिक्षण से प्रदेश के कलाकारों को मंच मुहैया होने के साथ–साथ उनकी कला में भी अभिवृद्धि होगी।	5 वर्ष
33– लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	आर्थिक रूप से विपन्न ऐसे लेखक, कवि एवं साहित्यकार जिनकी कृतियां	–	1500	–	10 साहित्यकारों लेखकों एवं कवियों को पुस्तक	1 वर्ष	–	आर्थिक रूप से विपन्न लेखक, कवि एवं साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से	3 वर्ष

	धनाभाव के कारण प्रकाशित नहीं हो पाती हैं उन्हें पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।				प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता।			उनकी कृतियों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने से धनाभाव के कारण अप्रकाशित पुस्तकों को प्रकाशित किये जाने हेतु धन की कमी नहीं रहेगी।	
34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता।	प्रदेश के ऐसे स्थायी निवासी जिनके द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की जाती है, को रू0 25–25 हजार धनराशि आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर प्रोत्साहित करना।	–	700	–	प्रदेश के 40 स्थाई निवासियों को कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने पर प्रोत्साहन स्वरूप आर्थिक सहायता।	1 वर्ष	–	धार्मिक यात्राओं के माध्यम से संस्कृति से रूबरू कराना एवं पर्यटन को बढ़ावा देना।	2 वर्ष
35–मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता	मेला समितियों को संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु प्रदेश के पौराणिक एवं ऐतिहासिक मेलों के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के माध्यम से लोक कलाकारों को मंच प्रदान करना है।	–	6000	–	प्रदेश की 50 मेला समितियों को पारम्परिक मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता।	1 वर्ष	–	पारम्परिक मेलों के आयोजन से प्रदेश की संस्कृति के आदान–प्रदान एवं प्रचार–प्रसार के साथ–साथ लोक संस्कृति, रहन–सहन एवं रीति–रिवाज समृद्ध हो सकेगी।	2 वर्ष

36–संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण	प्रदेश की लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	–	1000	–	4 लोक कलाकारों के लोक गीत/ गाथाओं का ऑडियो एवं वीडियो।	1 वर्ष	–	संस्कृति के विविध रंगों, कला विधाओं, विविध शैलियों का अभिलेखीकरण कर संकलन एवं शोध हेतु भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित किया जाना।	2 वर्ष
37– स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन	गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों तथा धाराओं की पवित्रता, शुद्धता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्तित्व बनाये रखने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जनमानस की सहभागिता के लिये प्रेरित करना।	–	2500	–	गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त रखने के उद्देश्य से जन–जागृति हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन।	1 वर्ष	–	जीवन दायी गंगा एवं सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने से आम–जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा।	3 वर्ष
103–पुरातत्व विज्ञान 0101–पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन (75 प्रतिशत के0स0)	राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन तथा पंजीकरण का कार्य करना।	630	–	–	पुरावशेषों की खोज एवं पंजीकरण।	1 वर्ष	–	पुरावशेषों की खोज तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित करने से अपने अतीत के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी।	3 वर्ष
103–पुरातत्व विज्ञान 03–पुरातत्व अधिष्ठान	प्रदेश के संरक्षित एवं संरक्षणाधीन स्मारक एवं स्थलों को संरक्षण की दृष्टि से जीर्णोद्धार कर मूल स्वरूप प्रदान करना तथा उनकी सुरक्षा करना।	8839	1300	–	10 पुरातात्विक स्थलों का रख–रखाव एवं जीर्णोद्धार।	1 वर्ष	–	ऐतिहासिक धरोहरों के मूल स्वरूप को बनाये रखने के उद्देश्य से अनुरक्षण कार्य करना।	2 वर्ष

104–अभिलेखागार 0102–राज्य अभिलेखागार हेतु उपकरणों का क्रय	प्राचीन अभिलेखों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु माइक्रोफिल्मिंग मशीन, फोटोकॉपियर मशीन आदि उपकरणों का क्रय किया जाना।	–	1	–	–	–	–	प्राचीन अभिलेखों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण हेतु अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग में लाना।	–
03–राज्य अभिलेख	जनसामान्य के व्यक्तिगत अधिकार में तथा शासकीय कार्यों से अभिलेखों, दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों का स्थानान्तरण तथा विभाग के पास उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित किये जाने हेतु आवश्यक मरम्मत, वाष्पीकरण तथा माइक्रोफिल्मिंग आदि कार्य सम्पादित करना।	10525	–	–	प्रदेश के 2 कलेक्ट्रेट कार्यालयों से ऐतिहासिक महत्व के अभिलेखों को संरक्षित किये जाने हेतु स्थानान्तरण	1 वर्ष	–	शोधार्थियों एवं भावी पीढ़ी को प्राचीन अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने हेतु संरक्षित किया जाना।	2 वर्ष
107–संग्रहालय 03–अधिष्ठान व्यय	यत्र–तत्र बिखरे पुरावशेषों को सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित करने के साथ–साथ आम जनमानस के नियंत्रण में उपलब्ध ऐतिहासिक वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।	9234	–	–	50 प्रस्तर प्रतिमाओं का रासायनिक विधि से उपचार एवं वीथिकाओं में प्रदर्शनी।	1 वर्ष	–	शोध छात्रों एवं आगन्तुकों हेतु पुरावशेषों एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं को प्रदर्शित करने हेतु संरक्षित करना।	1 वर्ष

4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 –कला एवं संस्कृति– 106–संग्रहालय– 01– केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101 – 13वें वित्त आयोग की संस्तुति के क्रम में संग्रहालय का निर्माण	प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरी/उपलब्ध पुरा सम्पदा को एक स्थान पर संजोकर संरक्षित एवं प्रदर्शित किये जाने हेतु देहरादून में राज्य स्तरीय संग्रहालय की स्थापना।	–	93800	गढ़ी कैंट, देहरादून में राज्य स्तरीय संग्रहालय का निर्माण।	–	4 वर्ष	–	देश–विदेश से पधारने वाले पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जन सामान्य को पुरा सम्पदा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु संग्रहालय की स्थापना।	6 वर्ष
03–संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण	विभागीय भवनों यथा प्रेक्षागृह संगीत महाविद्यालय, संग्रहालय, आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक परिसर आदि के निर्माण का मुख्य उद्देश्य कलाकारों को उनकी प्रस्तुति हेतु मंच प्रदान करने के साथ–साथ चित्रकारों की पेंटिंग्स आम जनमानस के अवलोकनार्थ आर्ट गैलरी तथा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों के संरक्षण हेतु संग्रहालय तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत के इच्छुक युवाओं हेतु संगीत	–	15000	–	कोटद्वार, में प्रेक्षागृह, स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा जी के बुघाणी स्थित पैतृक आवास को संग्रहालय/ हेरिटेज का स्वरूप प्रदान किया जाना तथा पौड़ी में संग्रहालय भवन का निर्माण।	3 वर्ष	–	प्रदर्शन कला के लिए कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी के माध्यम से जन सामान्य के अवलोकन तथा शास्त्रीय संगीत के इच्छुक छात्र–छात्राओं हेतु संगीत महाविद्यालय की स्थापना।	5 वर्ष

	महाविद्यालय निर्मित किया जाना है।								
04–महान विभूतियों की मूर्तियां/शहीद स्मारक का निर्माण	शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं मूर्ति स्थापना।	–	3000	–	महान विभूतियों/शहीदों की 10 मूर्तियाँ/स्मारकों का निर्माण।	1 वर्ष	–	शहीदों का बलिदान एवं योगदान असंख्य जनमानस विशेषकर युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणास्रोत होगा।	2 वर्ष
05–नेहरू हेरिटेज सेन्टर	नेहरू जी की स्मृतियों को संजोए रखने के उद्देश्य से देहरादून के पुराने जेल परिसर स्थित नेहरू वार्ड को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित कर नेहरू जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से भावी पीढ़ी को परिचित कराना।	–	1	–	देहरादून स्थित पुराने जेल परिसर में नेहरू वार्ड का जीर्णोद्धार।	2 वर्ष	–	स्वाधीनता संग्राम में नेहरू जी के योगदान, उनके त्याग व जीवन आदर्शों तथा मार्गदर्शन से लोगों को परिचित कराना।	3 वर्ष
800–अन्य व्यय– 01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101–13वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत राज्य स्तरीय वृहद प्रेक्षागृह का निर्माण।	आई0एच0एम0 परिसर, देहरादून में हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मूलभूत सुविधाओं के साथ–साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को सुचारू रूप से एक ही परिसर में संचालित करते हुये कलाकारों को उनकी प्रस्तुति हेतु मंच प्रदान करने के साथ–साथ चित्रकारों की पेंटिंग्स आम जनमानस के अवलोकनार्थ	–	75000	–	गढ़ी कैंट, देहरादून में राज्य स्तरीय वृहद प्रेक्षागृह का निर्माण।	4 वर्ष	–	प्रदर्शन कला के लिए कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा को संग्रहालय के माध्यम से जन सामान्य के अवलोकनार्थ संरक्षित करना।	6 वर्ष

	आर्ट गैलरी तथा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों के संरक्षण हेतु निर्मित किया जाना।								
03–सांस्कृतिक परिषद/कला केन्द/विद्यालय /ऑडिटोरियम आदि का निर्माण	प्रदेश के जिन जनपदों में संस्कृति विभाग की कोई भी संस्था कार्यरत अथवा संचालित नहीं है उन जनपदों में लोक कलाकारों के प्रशिक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना।	–	10000	–	प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रेक्षागृह भवनों का निर्माण।	3 वर्ष	–	प्रदर्शन कला के लिए कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा को संग्रहालय के माध्यम से जन सामान्य के अवलोकनार्थ संरक्षित करना।	5 वर्ष
2205–कला एवं संस्कृति–102–कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन–02–अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान–0201–लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य	पारम्परिक लोक कलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनूसूचित जाति के लोगों को जो अपनी कलाओं में निपुण हैं, उनके द्वारा अपनी जाति के अन्य लाभार्थियों को कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करना एवं विशेषतया ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित पारम्परिक पर्वों और मेलों के अवसर पर कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था एवं इनका अभिलेखन कार्य।	–	3500	–	13 जनपदों में गुरू शिष्य परम्परा के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को लोक संगीत की शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन।	1 वर्ष	–	अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों की उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की कला को नई पीढ़ियों तक पहुँचाने तथा उनकी कला को जीवन्त रखने हेतु अभिलेखीकरण तथा उनकी लुप्तप्राय कलाओं के प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन।	2 वर्ष

0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	अनुसूचित जाति के व्यक्ति जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होती है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	–	2000	–	अनुसूचित जाति के 10 सांस्कृतिक दलों/ व्यक्तियों को पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराना।	1 वर्ष	–	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न तथा रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष
4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 – कला एवं संस्कृति–800–अन्य व्यय–03–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन	अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सभागार, मिनी ऑडिटोरियम तथा संस्कृति भवन का निर्माण।	–	1500	–	अनुसूचित जाति बाहुल्य 2 गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु मिनी प्रेक्षागृह का निर्माण।	1 वर्ष	–	अनुसूचित जाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना है।	2 वर्ष
2205–कला एवं संस्कृति–00–796–जनजातीय क्षेत्र उप योजना –02–जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना	जनजातीय कला एवं संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	–	2000	–	10 गैर सरकारी संगठनों को जन जातीय कला एवं संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित किये जाने हेतु डाक्यूमेंटेशन के लिए	1 वर्ष	–	अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों की उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की कला को नई पीढ़ियों तक पहुँचाने तथा उनकी कला को जीवन्त रखने हेतु अभिलेखीकरण तथा उनकी लुप्तप्राय कलाओं के प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन।	2 वर्ष

					वित्तीय सहायता।				
03–पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेशभूषा का क्रय	अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति/कलाकार जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होता है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	–	1000	–	अनुसूचित जन जाति के 5 सांस्कृतिक दलों / व्यक्तियों को पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराना।	1 वर्ष	–	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न तथा रोजगार परक बनाना।	1 वर्ष
योग–		66685	274877	–	–	–	–	–	–

अध्याय–3

3. विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल

❖ निर्धारित आउटपुट/आउटकम को प्राप्त करने हेतु दक्षता वृद्धि एवं उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु किये गये उपाय, अधिकारों का विकेन्द्रीकरण तथा पी0पी0पी0 परियोजनाओं का विशेष उल्लेख–

- प्रदेश के लोक कलाकारों को मानदेय/दैनिक भत्ता आदि की पूर्व में भुगतान की जा रही दरों में दोगुनी वृद्धि कर दी गई है।
- वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों/साहित्यकारों की मासिक पेन्शन की दरों में तिगुनी वृद्धि कर ₹3000/– प्रतिमाह कर दी गई है।
- वर्तमान में 129 वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों/साहित्यकारों एवं पारिवारिक पेंशनरों को मासिक पेंशन का भुगतान किया जा रहा है तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 में प्रदेश के और वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों/साहित्यकारों को इस योजना के अन्तर्गत आच्छादित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।
- प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों/साहित्यकारों की दिग्दर्शिका के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है।
- प्रदेश के लोक कलाकारों के सांस्कृतिक दल जिसमें 20 लोक कलाकार होते हैं ऐसे 70 सांस्कृतिक दलों के 1400 कलाकारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। इसी क्रम में और लोक कलाकारों के पहचान पत्र बनवाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति उपयोजनान्तर्गत प्रदेश के अनुसूचित जाति के कलाकारों की कलायें जो विलुप्त हो रही हैं, इसके संरक्षण/संवर्द्धन हेतु गुरू–शिष्य परम्परा के अन्तर्गत मूर्धन्य गुरूओं के मार्गदर्शन में कार्यशालायें प्रत्येक वर्ष आयोजित किये जाने की योजना है। गत वर्ष इस योजना के संचालन से अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में बढ़–चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित की है।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति उप योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कलाकारों/सांस्कृतिक दलों को चरणबद्ध रूप से पारम्परिक वाद्ययंत्रों एवं वेश–भूषा क्रय कर वितरित की जा रही है।

- लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश एवं प्रदेश से इतर विभिन्न अंचलों में आयोजित मेले/त्योहारों तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलों के अवसर पर प्रदेश की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु अनुबन्धित कर भेजा गया है।
- प्रदेश के मूर्धन्य साहित्यकारों, लेखकों, कवियों जिनकी कृतियां धनाभाव के कारण प्रकाशित नहीं हो पाती हैं, एसे साहित्यकारों, लेखकों, कवियों को उनकी कृतियों के प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।
- प्रदेश के मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी गयी है।
- प्रदेश के स्थायी निवासियों को भारत सरकार द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने के उपरान्त ₹25–25 हजार आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध करायी गयी है।
- गंगा एवं इसकी सहायक नदियों तथा धाराओं की पवित्रता, शुद्धता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसका अस्तित्व बनाये रखने के उद्देश्य से 'स्पर्श गंगा' अभियान प्रारम्भ किया गया है।
- सरकार की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के लिये विभागों की महत्वपूर्ण सूचनाएं सबकी पहुंच में रखने के लिये विभागीय वेबसाइट www.ukculture.in तैयार कर ली गई है।

अध्याय–4

4. गत वर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा

- महाकवि पं0 सुमित्रा नन्दन पन्त जी के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 20 मई, 2012 को उनके जन्म स्थान कौसानी में कार्यक्रमों का आयोजन।
- गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट–2012 के अवसर पर राजभवन, नैनीताल में दिनांक 1 जून, 2012 से 2 जून, 2012 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- रामनगर कार्बेट महोत्सव–2012 के अवसर पर रामनगर में दिनांक 5 अक्टूबर, 2012 से 7 अक्टूबर, 2012 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- गैरसैंण में मंत्रिपरिषद की प्रथम बैठक के अवसर पर दिनांक 3 नवम्बर, 2012 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- राज्य स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर दिनांक 9 नवम्बर, 2012 को रेंजर्स ग्राउण्ड, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- गैरसैंण में विधान भवन के शिलान्यास के अवसर पर दिनांक 14 जनवरी, 2013 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- स्व0 पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त जी के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 10 सितम्बर, 2012 को प्रदेश के समस्त जनपद मुख्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- दिनांक 02 सितम्बर, 2012 को शहीद स्मारक, मसूरी में उत्तराखण्ड राज्य प्राप्ति आन्दोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि।
- दिनांक 02 अक्टूबर, 2012 को शहीद स्मारक, रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर तथा शहीद स्मारक, कचहरी परिसर, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य प्राप्ति आन्दोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि।
- 'ब्यूटीफुल कंट्री' नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर दिनांक 1 अक्टूबर, 2012 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- फैज अहमद फैज की कविताओं एवं जीवन पर आधारित संगीत एवं नृत्य संध्या 'फैज का मंजूर सफर' के अवसर पर दिनांक 1 अक्टूबर, 2012 को ए0एम0एन0 घोष प्रेक्षागृह, ओ0एन0जी0सी0, देहरादून में कार्यक्रम का आयोजन।
- दिनांक 24 नवम्बर, 2012 को भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला–2012 के अवसर पर लाल चौक थियेटर, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- गणतंत्र दिवस–2013 की पूर्व संध्या के अवसर पर एम0ए0 एण्ड डी0सी0 प्रेक्षागृह, सर्वे ऑफ इण्डिया, हाथी बड़कला, देहरादून में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन तथा दिनांक 26 जनवरी, 2013 को परेड ग्राउण्ड, देहरादून में झाँकियों के प्रदर्शन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के अवसर पर दिनांक 01 मार्च एवं 06 मार्च, 2013 को ऋषिकेश में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

- 129 वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों/साहित्यकारों एवं पारिवारिक पेंशनरों को मासिक पेंशन का भुगतान किया जा रहा है।
- लोक कलाकरों को मंच प्रदान करने के लिये प्रदेश एवं देश के विभिन्न अंचलों में आयोजित लगभग 234 मेले, त्योहारों एवं पर्वों के अवसर पर प्रदेश की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु अनुबन्धित कर भेजे गये हैं।
- संस्कृति के विभिन्न आयामों का ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण योजनान्तर्गत वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली जी के जीवनवृत्त तथा कुमाऊं की लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु द्वितीय किस्त के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, पौड़ी, देहरादून एवं अल्मोड़ा द्वारा सम्पादित किये गये कार्यः–

- दिनांक 23 जुलाई, 2012 को कारगिल शहीदों की स्मृति में भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा के छात्र–छात्राओं द्वारा रैमजे इण्टर कालेज में संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे जी की जयन्ती के अवसर पर दिनांक 5 सितम्बर, 2012 को भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, देहरादून के छात्र–छात्राओं द्वारा भातखण्डे कृति, शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।
- भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त जी के जन्म दिवस 10 सितम्बर, 2012 को उनकी जन्म स्थली खूंट में भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा के छात्र–छात्राओं द्वारा शास्त्रीय संगीत/नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।
- भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, देहरादून के छात्र–छात्राओं द्वारा 2 अक्टूबर, 2012 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर राजभवन, देहरादून में गाँधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।
- भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा के वार्षिक संगीत समारोह दिनांक 16 दिसम्बर, 2012 के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा स्थानीय कुन्दल लाल साह स्मारक, प्रेक्षागृह, अल्मोड़ा में गायन, सितार, कथक नृत्य एवं भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।
- भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, पौड़ी के वार्षिक उत्सव के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर, 2012 को शास्त्रीय गायन, तबला वादन, सितार वादन तथा विभिन्न प्राप्तों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई।

राज्य अभिलेखागार, उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा सम्पादित किये गये कार्यः–

क्र0सं0	कार्य विवरण	संख्या
1.	अभिलेख कक्ष	
	अभिलेखों की सफाई (मशीन द्वारा) पत्रावलियां	6514
	अभिलेखों की सफाई (हाथ द्वारा) पत्रावलियां	2915
	वाल्यूम की सफाई (मशीन द्वारा)	2591
	वाल्यूम की सफाई (हाथ द्वारा)	1926

	अभिलेखों का वाष्पीकरण पत्रावलियां/वाल्यूम्स अभिलेखों का सत्यापन अभिलेखों का पृष्ठांकन अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखना पत्रावलियां	6526 3984 3626 6971
2.	अभिलेखों की मरम्मत/सिलाई पुस्तकें रजिस्टर पत्रावलियां गार्ड फाईल पत्रिकाएं	 159 15 184 5 34
3.	बाइंडिंग पुस्तकें रजिस्टर पत्रावलियां गार्ड फाईल पत्रिकाएं कटिंग दफ्ती ब्राउन पेपर हैण्डमेड पेपर प्रपत्र लिफाफे समाचार पत्र कैप्सन्स पोस्टर्स	 124 15 184 5 34 54 15 22 804 179 225 544 314

- <u>अभिलेख प्रदर्शनी/प्रशिक्षण संबंधी कार्य</u>–

  - ❖ भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय परिसर, देहरादून में दिनांक 10 सितम्बर, 2012 को भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जयन्ती के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई गई।
  - ❖ गांधी पार्क, देहरादून में दिनांक 02 अक्टूबर, 2012 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई गई।
  - ❖ दिनांक 02 अक्टूबर, 2012 को शहीद हुये राज्य आन्दोलनकारियों की स्मृति में शहीद स्मारक, रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर में अभिलेख प्रदर्शनी लगाई गई।
  - ❖ दिनांक 9 नवम्बर, 2012 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक, कचहरी परिसर, देहरादून तथा शहीद स्मारक, मुजफ्फरनगर में शहीद हुये राज्य आन्दोलनकारियों की स्मृति में अभिलेख प्रदर्शनियां लगाई गई।

- ❖ दिनांक 3 जनवरी, 2013 से 5 जनवरी, 2013 तक राज्य अभिलेखागार, देहरादून में अभिलेख प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न शासकीय विभागों के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- ❖ गांधी पार्क, देहरादून में दिनांक 23 जनवरी, 2013 को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म दिवस के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई गई।

राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा द्वारा सम्पादित किये गये कार्यः–

- राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा में देश एवं विदेश से आने वाले पर्यटकों के साथ ही रमसा के अन्तर्गत विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को वीथिकाएं दिखायी गयी तथा उन्हें संस्कृति एवं इतिहास से रू–ब–रू कराया गया।
- बागेश्वर जनपद में खुदाई में मिली 160 ताम्र मुद्रायें एवं एक तांबे की सुराही को जिलाधिकारी, बागेश्वर कार्यालय से प्राप्त कर संग्रहालय में रखी गयी हैं।
- राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा की कलाकृतियां/मिनियेचर पेन्टिंग्स का एन0आर0एल0सी0 लखनऊ से रासायनिक उपचार कराया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, अल्मोड़ा द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 के अन्तर्गत सम्पादित कार्यः–

अनुरक्षण कार्यः–

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, अल्मोड़ा द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 के अन्तर्गत निम्नलिखित संरक्षित स्मारक/स्थलों की वार्षिक सफाई की गईः–

1– नंदा देवी मंदिर समूह, अल्मोड़ा।
2– पाताल देवी मंदिर, ग्राम शैल, अल्मोड़ा।
3– चित्रित शैलाश्रय, दिंगोली, लखुडियार, अल्मोड़ा।
4– त्रिनेत्रेश्वर एवं एकादश महारूद्र मंदिर समूह, बमनसुयाल, अल्मोड़ा।
5– महारूद्रेश्वर मंदिर समूह, बल्सा, खूंट, अल्मोड़ा।
6– प्राचीन शिव मंदिर, सिमाण, अल्मोड़ा।
7– बद्रीनाथ मंदिर समूह, गढ़सेर, बागेश्वर।
8– प्राचीन विश्रामालय, गढ़कोट, चम्पावत।
9– शिव मंदिर, नादबोरा, चम्पावत।
10– एक हथिया नौला, ढ़कना, चम्पावत।
11– शिव मंदिर, चैकुनी, चम्पावत।
12– शिव मंदिर, खर्ककार्की, चम्पावत।
13– प्राचीन समाधियां, फूंगर, चम्पावत।
14– बाणासुर का किला, कर्णकरायत, चम्पावत।

सर्वेक्षण कार्यः–

1– जनपद बागेश्वर के अन्तर्गत ग्राम भैरो चौबाटा में खुदाई के दौरान प्राप्त 160 तांबे के सिक्कों को जिला प्रशासन, बागेश्वर के माध्यम से प्राप्त कर अल्मोड़ा स्थित राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा को उपलब्ध कराये गये। उक्त ताम्र मुद्राएं सुल्तान इब्राहिम शाह एवं सुल्तान हुसैन शाह हिजरी 871 व 877 के हैं।

2– श्री केशव चन्द्र पाण्डे ग्राम तोली जनपद पिथौरागढ़ से चंद राजवंश से संबंधित राजा भारती चंद का शाके 1373 का ताम्रपत्र प्रकाश में लाया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी गढ़वाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 के अन्तर्गत सम्पादित कार्यः–

1– वर्षा से क्षतिग्रस्त राज्य संरक्षित स्मारक गौरा देवी मन्दिर समूह, देवलगढ़ जनपद पौड़ी गढ़वाल का अनुरक्षण कार्य प्रगति पर है।

2– कोटद्वार में कण्वाश्रम स्थल एवं जनपद चमोली स्थित मेहलचौंरी में हनुमान मन्दिर तथा शिव मन्दिर का स्थलीय निरीक्षण/सर्वेक्षण किया गया।

स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजनः–

गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों तथा धाराओं की पवित्रता, शुद्धता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्तित्व बनाये रखने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जनमानस की सहभागिता के लिये प्रेरित करने के दृष्टिगत देहरादून में स्पर्श गंगा बोर्ड की स्थापना की गई है। स्पर्श गंगा बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 में आयोजित किये गये कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः–

क्रं0 सं0	कार्यक्रम का नाम	स्थान एवं दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	'पृथ्वी दिवस'' 2012	दिनांक 22 अप्रैल, 2012 को प्रदेश स्तर पर 'पृथ्वी दिवस' वृहद जागरूकता कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इको क्लब के माध्यम से आयोजित।	लगभग 25 हजार
2.	स्पर्श गंगा अभियान ''जागरूकता कार्यक्रम''।	दिनांक 19 अप्रैल, 2012 को हर्षिल, उत्तरकाशी में गंगोत्री के तीर्थ पुरोहितों के साथ जागरूकता कार्यक्रम।	26
3.	स्पर्श गंगा समिति गठन तथा स्पर्श गंगा वनों को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण।	दिनांक 29 एवं 30 अप्रैल, 2012 को रा0इ0कालेज ठेला, नैलचामी/ आदबद्री, टिहरी गढवाल एवं उसके समीपवर्ती ग्राम सभाओं में आयोजित।	85

4.	इको क्लब प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला।	दिनांक 21 मई, 2012 को बागेश्वर में जनपद बागेश्वर एवं अल्मोडा के इको क्लब प्रभारियों की कार्यशाला।	160
5.	विश्व पर्यावरण दिवस	दिनांक 05 जून, 2012 को अगस्त्यमुनि, रूद्रप्रयाग में मुख्य कार्यक्रम।	120
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम।	दिनांक 10 जुलाई, 2012 को इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी, पौडी में आयोजित।	38
7.	स्पर्श गंगा बोर्ड उत्तराखण्ड एवं यूकोस्ट के सहयोग से R & D Prospects Ganga in light of hydropower.	दिनांक 04 अगस्त, 2012 को मुनिकीरेती में आयोजित।	111
8.	स्पर्श गंगा अभियान के अन्तर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम।	दिनांक 25 सितम्बर, 2012 को राजकीय इण्टर कालेज, खिर्सू में आयोजित।	250
9.	स्पर्श गंगा चतुर्थ स्थापना दिवस।	15 से 17 दिसम्बर, 2012 को मुनिकीरेती में आयोजित।	लगभग 25 हजार
10.	जनपद चमोली के माध्यमिक विद्यालयों में संचालित इको क्लब प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला।	दिनांक 13 जनवरी, 2013 को राजकीय बालिका इण्टर कालेज, गौचर, चमोली में आयोजित।	125
11.	जनपद टिहरी के माध्यमिक विद्यालयों में संचालित इको क्लब प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला।	दिनांक 16 फरवरी, 2013 को नगर पालिका ऑडिटोरियम, बौराड़ी, नई टिहरी में आयोजित।	220
12.	**"Awareness on role of masses for environmental protection in perspect of Nanda Raj Jat 2013"** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला।	दिनांक 25 फरवरी, 2013 को एस0एस0बी0 परिसर, ग्वालदम, जनपद चमोली में आयोजित।	1200

प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्वों/त्योहारों/मेलों/उत्सवों में सक्रिय भागीदारी

प्रदेश तथा प्रदेश से इतर अन्य प्रदेशों में आयोजित पारम्परिक एवं ऐतिहासिक मेलों/उत्सवों/त्योहारों/पर्वों के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु प्रदेश के निम्नलिखित सांस्कृतिक दलों एवं लोक कलाकारों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु अनुबन्धित किये गये हैं :–

क्र.सं.	तिथिवार आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम
1.	दिनांक 19.03.12 से 08.04.12 तक नेशनल हैण्डलूम एक्सपो के अवसर पर देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
2.	दिनांक 01.04.2012 को रामनवमी के अवसर पर बिचखाली, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
3.	दिनांक 05.04.12 से 8.04.12 तक कुमाऊं परिषद, लखनऊ द्वारा उत्तराखण्ड महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
4.	दिनांक 06.04.12 को श्री बाला जी महाराज की भव्य शोभायात्रा के अवसर पर देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
5.	दिनांक 08.04.12 से 11.04.12 तक बेणीनाग महोत्सव के अवसर पर बेरीनाग, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
6.	दिनांक 11.04.12 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई के वार्षिकोत्सव के अवसर पर कोटेश्वरपुरम, नई टिहरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
7.	दिनांक 11.04.12 को टी.एच.डी.सी. इण्डिया लिमिटेड के वार्षिकोत्सव के अवसर पर कोटेश्वरपुरम, नई टिहरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
8.	दिनांक 12.04.12 से 14.04.12 तक थल मेले के अवसर पर थल, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
9.	दिनांक 12.04.12 से 13.04.12 तक बैशाखी मेले के अवसर पर नन्दप्रयाग, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
10.	दिनांक 12.04.12 से 13.04.12 तक मदराज देवता की पालकी के स्वागत के अवसर पर जसपाल राणा शूटिंग अकादमी, मझौन, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
11.	दिनांक 12.04.12 से 16.04.12 तक स्याल्दे बिखौती मेले के अवसर पर द्वाराहाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
12.	दिनांक 13.04.12 को बैशाखी मेले के अवसर पर चन्द्रबनी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
13.	दिनांक 13.04.12 को बैशाखी मेले के अवसर पर ढ़करानी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
14.	दिनांक 14.04.12 को एकेश्वर शिव मेले के अवसर पर एकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

15.	दिनांक 14.04.12 को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर हरीनगर, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
16.	दिनांक 14.04.12 को मानिला मंदिर मेले के अवसर पर मानिला, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
17.	दिनांक 15.04.12 से 17.04.12 तक मलियाल देव मेले के अवसर पर थराली, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
18.	दिनांक 16.04.12 को मोल्टाड़ी मेले के अवसर पर पुरोला, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
19.	दिनांक 16.04.12 को बिसू मेले के अवसर पर त्यूनी, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
20.	दिनांक 16.04.12 से 17.04.12 तक फिण्डेश्वर महादेव महोत्सव के अवसर पर चमियाला, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
21.	दिनांक 21.04.12 को पर्यटन सेमीनार के अवसर पर मसूरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
22.	दिनांक 23.04.12 को बैशाखी मेले के अवसर पर ऋषिकेश में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
23.	दिनांक 24.04.12 से 28.04.12 तक कनालीछीना महोत्सव के अवसर पर कनालीछीना, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
24.	दिनांक 24.04.12 से 29.04.12 तक श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर ऊखीमठ से डोली पड़ावों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
25.	दिनांक 24.04.12 को गंगोत्री तथा यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
26.	दिनांक 29.04.12 को श्री गंगा सप्तमी महापर्व महोत्सव–2012 के अवसर पर मुखवा, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
27.	दिनांक 29.04.12 को बिसू मेले के अवसर पर त्यूनी, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
28.	दिनांक 29.04.12 को मुनाल महोत्सव के अवसर पर लखनऊ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
29.	दिनांक 29.04.12 को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर बदरीनाथ धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
30.	दिनांक 03.05.12 को शहीद केशरीचन्द मेले के अवसर पर चौलीथात, रामताल गार्डन, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
31.	दिनांक 04.05.12 को पं0 गुरूदत्त विद्यार्थी जन्म दिवस समारोह के अवसर पर रा0उ0प्रा0 वि0 विरगुन, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
32.	दिनांक 06.05.12 से 12.05.12 तक ऐतिहासिक सोमनाथ मेले के अवसर पर मासी, चौखुटिया में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
33.	दिनांक 09.05.12 से 11.05.12 तक आई.ए.एस. मीट के अवसर पर राजभवन, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
34.	दिनांक 13.05.12 को नौठा कौथीग मेले के अवसर पर आदिबदरी चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

35.	दिनांक 14.05.12 से 18.05.12 तक पुरी लोक उत्सव–2012 के अवसर पर पुरी, उड़ीसा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
36.	दिनांक 17.05.12 को कर्ण महोत्सव के अवसर पर कर्णप्रयाग, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
37.	दिनांक 18.05.12 को त्रयम्बकेश्वर शिव मन्दिर थत्यूड़, जौनपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
38.	दिनांक 19.05.12 को बहुउद्देशीय भवन बौराड़ी, टिहरी गढ़वाल में मा0 मुख्यमंत्री जी के आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
39.	दिनांक 19.05.12 को दैनिक जागरण समाचार पत्र के स्थापना दिवस के अवसर पर हल्द्वानी, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
40.	दिनांक 23.05.12 को हिन्दुस्तान समाचार पत्र के स्थापना दिवस के अवसर पर सहिया, वि0ख0 कालसी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
41.	दिनांक 25.05.12 को हिरणाखेड़ी मेले के अवसर पर हिरणाखेड़ी, हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
42.	दिनांक 26.05.12 को मा0 मुख्यमंत्री जी के स्वागत सम्मान समारोह के अवसर पर चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
43.	दिनांक 29.05.12 से 30.05.12 तक तिलाड़ी शहीद दिवस के अवसर पर उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
44.	दिनांक 30.05.12 को महासू देवता जात्रा पर्व के समापन अवसर पर हनोल, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
45.	दिनांक 30.05.12 को संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यों के आगमन पर मसूरी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
46.	दिनांक 30.05.12 से 05.06.12 तक डोडीताल पर्यटन महोत्सव के अवसर पर डोडीताल, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
47.	दिनांक 31.05.12 को श्री सिद्धिदात्री महामायी माता मन्दिर समिति के वार्षिकोत्सव के अवसर पर सहसपुर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
48.	दिनांक 31.05.12 को श्री गंगा भागीरथी महोत्सव के अवसर पर ऋषिकेश, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
49.	दिनांक 31.05.12 को श्री विश्वनाथ जगदीशिला डोली यात्रा के समापन अवसर पर विसोन पर्वत (नीलाछाड़ा) हिन्दाव, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
50.	दिनांक 01.06.12 से 15.06.12 तक जोहार क्लब, मुनस्यारी में 57वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के अवसर पर मुनस्यारी, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
51.	दिनांक 01.06.12 को भूमिया देव क्षेत्रपाल श्री कण्डोलिया के वार्षिकोत्सव के अवसर पर पौड़ी (गढ़वाल) में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
52.	दिनांक 03.06.12 से 05.06.12 तक न0पा0प0टिहरी गढ़वाल द्वारा आयोजित प्रदर्शनी मेले के अवसर पर बौराड़ी, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
53.	दिनांक 03.06.12 को महासू देवता डोली के अवसर पर केमाला बावर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

54.	दिनांक 05.06.12 से 06.06.12 तक गौरादेवी पर्यावरण विकास मेले के अवसर पर उर्गम घाटी, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
55.	दिनांक 09.06.12 से 10.06.12 तक भेंकलताल–ब्रह्मताल महोत्सव के अवसर पर थराली, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
56.	दिनांक 14.06.12 से 16.06.12 तक महाकवि कालीदास समारोह के अवसर पर कालीमठ, रूद्रप्रयाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
57.	दिनांक 17.06.12 को गढ़ सम्मान समारोह के अवसर पर कोटद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
58.	दिनांक 18.06.12 को श्री घण्टाकर्ण डोली यात्रा उत्सव के अवसर पर क्वीली पालकोट, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
59.	दिनांक 19.06.12 को क्रिकेट टूर्नामेन्ट ए0पी0एल0 के समापन अवसर पर अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
60.	दिनांक 23.06.12 को अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, उत्तराखण्ड द्वारा 58वां स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर हल्द्वानी, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
61.	दिनांक 29.06.12 से 03.07.12 तक देवीधार मेले के अवसर पर लोहाघाट, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
62.	दिनांक 01.07.12 एवं 02.07.12 को सुर ताल महोत्सव–2012 के अवसर पर हल्द्वानी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
63.	दिनांक 06.07.12 को पौराणिक मेला ग्राम खेड़ा मल्ला, जौनपुर टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
64.	दिनांक 06.07.12 को पौराणिक मेला खेड़ा मल्ला, जौनपुर के अवसर पर खेड़ा मल्ला जौनपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
65.	दिनांक 14.07.12 से 16.07.12 तक दखनियार मेले में चाल्दा महाराज की डोली के आगमन पर डेरियों क्षेत्र पंचायत कोल्हा, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
66.	16.07.12 से एक माह तक आयोजित श्रावणी मेले के अवसर पर जागेश्वर, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
67.	दिनांक 16.07.12 से 18.07.12 तक गणेश गर्म कुण्ड एवं रघुनाथ मेले के अवसर पर गंगताड़ी, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
68.	दिनांक 16.0712 से 22.07.12 तक हरेला मेले के अवसर पर भीमताल, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
69.	दिनांक 17.07.12 को कांवड़ मेले के अवसर पर हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
70.	दिनांक 21.07.12 को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा विकासनगर में आयोजित एक दिवसीय समारोह के अवसर पर विकासनगर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
71.	दिनांक 22.07.12 से 01.08.12 तक विकास मेले के अवसर पर हिण्डोलाखाल, देवप्रयाग, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
72.	दिनांक 23.07.12 से 24.07.12 तक पौराणिक मेला कुपड़ा, पो0 रानागीठ, वि0ख0 नौगांव, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

73.	दिनांक 25.07.12 को माता राजराजेश्वरी मन्दिर बासर, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
74.	दिनांक 26.07.12 को कारगिल दिवस–2012 के अवसर पर रैमजे इण्टर कालेज, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
75.	दिनांक 29.07.12 को उत्तराखण्ड अनु0 जनजाति कल्याण समिति द्वारा ए.एम.एन.घोष, ओ0एन0जी0सी0 कौलागढ़ रोड़ देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
76.	दिनांक 29.07.12 से 02.08.12 तक वायुरथ महोत्सव के अवसर पर सुई–विशुंग लोहाघाट, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
77.	दिनांक 29.07.12 से 09.08.12 तक आषाढ़ी कौथीग–बग्वाल मेला देवीधूरा के अवसर पर देवीधूरा, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
78.	दिनांक 30.07.12 को बृद्धजागेश्वर अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
79.	दिनांक 03.08.12 को बग्वाल मेला के अवसर पर द्वाराहाट में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
80.	दिनांक 04.08.12 को श्री सोबन सिंह जी की 103वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर रैमजे इण्टर कालेज, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
81.	दिनांक 06.08.12 से 07.08.12 तक नुणाई मेला मानथात के अवसर पर लाखामण्डल, चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
82.	दिनांक 08.08.12 को श्री पिण्डेश्वर महादेव मन्दिर गगास, द्वाराहाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
83.	दिनांक 08.08.12 से 10.08.12 तक श्री लक्ष्मी नारायण पर्यटन सांस्कृतिक एवं विकास मेले के अवसर पर किमोली–कपीरी, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
84.	दिनांक 09.08.12 को जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर थत्यूड़ बाजार, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
85.	दिनांक 09.08.12 से 10.08.12 तक कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर चौगांवछीना, बागेश्वर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
86.	दिनांक 09.08.12 को शहीद बाबा मोहन उत्तराखण्डी स्मृति मेले के अवसर पर बेनीताल, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
87.	दिनांक 10.08.12 को नगर पालिका विकासनगर द्वारा आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर विकासनगर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
88.	दिनांक 10.08.12 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बाड़वाला, कालसी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
89.	दिनांक 10.08.12 को स्वतंत्रता सेनानी वीर स्व0 श्री फुनकू जी के 103 वें जन्म दिवस समारोह के अवसर पर कालसी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
90.	दिनांक 10.08.12 से 11.08.12 तक प्राचीन नागराजा मन्दिर कुलणा, नई टिहरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
91.	दिनांक 11.08.12 से 13.08.12 तक हिलजात्रा मेला के अवसर पर कुमौड़, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

92.	दिनांक 12.08.12 से 14.08.12 तक श्री मृत्युंजय श्रावणी पर्यावरण, पर्यटन एवं सांस्कृतिक मेले के अवसर पर सिमली, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
93.	दिनांक 15.08.12 से 16.08.12 तक दयारा बुग्याल में आयोजित अण्डूड़ी मेले (बटर फेस्टिवल) के अवसर पर उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
94.	दिनांक 19.08.12 को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में देघाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
95.	दिनांक 20.08.12 से 21.08.12 तक वर्ल्ड फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर नेहरूग्राम, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
96.	दिनांक 23.08.12 को गढ़वाल राईफल रेजीमेंट केन्द्र, लैन्सडौन में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
97.	दिनांक 25.08.12 को सलम क्रान्ति समारोह (शहीद दिवस) के अवसर पर जैंती, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
98.	दिनांक 26.08.12 को श्रमजीवी पत्रकार यूनियन सम्मान समारोह के अवसर पर देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
99.	दिनांक 10.09.12 को भारत रत्न पं0गो0ब0 पन्त जी की 125वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर भा0हि0सं0 महाविद्यालय प्रेक्षागृह, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
100.	दिनांक 16.09.12 से 18.09.12 तक महासू देवता मेले के अवसर पर टुंगरा, चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
101.	दिनांक 19.09.12 से 20.09.12 तक जागड़ा मेले के अवसर पर ग्राम सभा बिरोड़ लालूर, जौनपुर, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
102.	दिनांक 19.09.12 से 20.09.12 तक राजराजेश्वरी संस्कृति संरक्षण मेले के अवसर पर देवाल, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
103.	दिनांक 19.09.12 से 21.09.12 तक कालिंका महोत्सव के अवसर पर गौचर, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
104.	दिनांक 19.09.12 से 21.09.12 तक रूपकुण्ड महोत्सव के अवसर पर रूपकुण्ड, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
105.	दिनांक 19.09.12 को जागड़ा पर्व के अवसर पर कालसी, चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
106.	दिनांक 19.09.12 एवं 20.09.12 को जागड़ा मेला, हनोल के अवसर पर हनोल, चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
107.	दिनांक 19.09.12 से 21.09.12 तक मोस्टमानू मेले के अवसर पर पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
108.	दिनांक 20.09.12 से 23.09.12 तक नन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर डीडीहाट, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
109.	दिनांक 20.09.12 से 26.09.12 तक श्री नन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

110.	दिनांक 20.09.12 से 26.09.12 तक श्री नन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
111.	दिनांक 21.09.12 से 23.09.12 तक कोट भ्रामरी मेले के अवसर पर डंगोली, बागेश्वर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
112.	दिनांक 21.09.12 से 26.09.12 तक नन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर जनपद नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
113.	दिनांक 21.09.12 से 27.09.12 तक माँ नन्दा, सुनन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
114.	दिनांक 22.09.12 से 23.09.12 तक माँ नन्दा, सुनन्दा देवी महोत्सव के अवसर पर बिन्दुखत्ता, लालकुआँ, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
115.	दिनांक 22.09.12 से 26.09.12 तक छलिया महोत्सव के अवसर पर पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
116.	दिनांक 24.09.12 को एन0एस0एस0 दिवस के अवसर पर एम0के0पी0 इण्टर कालेज, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
117.	दिनांक 27.09.12 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून द्वारा हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
118.	दिनांक 27.09.12 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
119.	दिनांक 27.09.12 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर मसूरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
120.	दिनांक 29.09.12 को नागनाथ घुणेश्वर तोषी मेले के अवसर पर जखोली, रूद्रप्रयाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
121.	दिनांक 02.10.12 को अनाशक्ति आश्रम, बागेश्वर में गाँधी जयन्ती कार्यक्रम के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
122.	दिनांक 11.10.12 से 14.10.12 तक द्वाराहाट महोत्सव के अवसर पर द्वाराहाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
123.	दिनांक 16.10.12 से 23.10.12 तक सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के अवसर पर नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
124.	दिनांक 16.10.12 से 27.10.12 तक भैंसियाछाना के धौलछीना, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
125.	दिनांक 19.10.12 से 22.10.12 तक पर्यटन एवं खादी किसान मेले के अवसर पर नागनाथ पोखरी, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
126.	दिनांक 20.10.12 से 24.10.12 तक दशहरा महोत्सव के अवसर पर चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
127.	दिनांक 20.10.12 से 24.10.12 तक श्री दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

128.	दिनांक 21.10.12 को गोर्खाली सुधार सभा, देहरादून द्वारा आयोजित दशहरा पर्व 2012 के अवसर पर गढ़ी कैण्ट, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
129.	दिनांक 21.10.12 से 22.10.12 तक गढ़ जागृति लोक मंच, नथुवावाला (बालावाला) देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
130.	दिनांक 21.10.12 से 24.10.12 तक विजय दशमी महोत्सव के अवसर पर खटीमा, ऊधमसिंहनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
131.	दिनांक 23.10.12 से 25.10.12 तक दशहरा पर्व पिपाया (खत फाटाड़) के अवसर पर चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
132.	दिनांक 24.10.12 से 29.10.12 तक लड़ीधूरा महोत्सव के आयोजन पर बाराकोट, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
133.	दिनांक 24.10.12 से 30.10.12 तक दशहरा एवं नवरात्र पर्व के अवसर पर चकराता, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
134.	दिनांक 25.10.12 को कर्नाटकखोला, अल्मोड़ा में रामलीला के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
135.	दिनांक 25.10.12 को दशहरा मेला के अवसर पर छानागोलू, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
136.	दिनांक 27.10.12 से 29.10.12 तक श्री माँ पूर्णागिरी महोत्सव के आयोजन पर खूनाबोरा, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
137.	दिनांक 29.10.12 को दशहरा मेला के अवसर पर कफड़ा, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
138.	दिनांक 29.10.12 से 31.10.12 तक लोक महोत्सव के आयोजन पर चितई, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
139.	दिनांक 31.10.12 को नैनीताल शरदोत्सव–2012 के अवसर पर नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
140.	दिनांक 02.11.12 से 04.11.12 तक पहरू मासिक पत्रिका द्वारा आयोजित कुमाँऊनी भाषा सम्मेलन के अवसर पर अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
141.	दिनांक 02.11.12 से 05.11.12 तक सांस्कृतिक महोत्सव नच बलिये के आयोजन पर पाटी, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
142.	दिनांक 03.11.12 को एस0सी0एस0टी0 कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम चौमेल, विकास खण्ड बाराकोट, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
143.	दिनांक 05.11.12 से 07.11.12 तक पिण्डर घाटी सांस्कृतिक एवं पर्यटन मेला थराली, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
144.	दिनांक 05.11.12 से 09.11.12 तक दीप महोत्सव–2012 खेतीखान, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

145.	दिनांक 07.11.12 से 11.11.12 तक सहिया विकास खण्ड कालसी में रामलीला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
146.	दिनांक 08.11.12 से 12.11.12 तक शरदोत्सव–2012 के अवसर पर पौड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
147.	दिनांक 09.11.12 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
148.	दिनांक 09.11.12 से 12.11.12 तक मलाई पर्यावरण सवंर्द्धन, पर्यटन एवं विकास मेला गैरसैंण, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
149.	दिनांक 10.11.12 को भारतीय जनजातीय सूचना विद्या संस्थान, झाझरा, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
150.	दिनांक 11.11.12 को यमुनाघाटी पिछड़ी जाति/जनजाति क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक विकास समारोह डामटा, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
151.	दिनांक 14.11.12 से 20.11.12 तक गौचर मेला, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
152.	दिनांक 14.11.12 से 20.11.12 तक जौलजीवी मेला, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
153.	दिनांक 16.11.12 से 22.11.12 तक शरदोत्सव–2012 के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
154.	दिनांक 17.11.12 को सांस्कृतिक महोत्सव के अवसर पर कुमाऊँ परिषद भवन, लखनऊ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
155.	दिनांक 17.11.12 से 18.11.12 तक जोहार महोत्सव–2012 के अवसर पर हल्द्वानी, नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
156.	दिनांक 20.11.12 को उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, वसन्त विहार, देहरादून में आयोजित सेमीनार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
157.	दिनांक 20.11.12 से 26.11.12 तक शरदोत्सव–2012 के अवसर पर पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
158.	दिनांक 21.11.12 को लाल बहादुर शास्त्री अकादमी, मसूरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
159.	दिनांक 23.11.12 को हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्रान्ट, देहरादून में सर्जन एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
160.	दिनांक 24.11.12 से 25.11.12 तक बाबा बैखानाग मेले के अवसर पर उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
161.	दिनांक 25.11.12 से 27.11.12 तक भंखोली, पुरोला, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
162.	दिनांक 28.11.12 को बौराणी महोत्सव–2012 के अवसर पर गंगोलीहाट, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
163.	दिनांक 28.11.12 को गुरू नानक जन्म दिवस के अवसर पर लोहाघाट, चम्पावत में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

164.	दिनांक 29.11.12 से 30.11.12 तक भगवान वासुकीनाग देवता पौराणिक मेले के अवसर पर गेंवला, ब्रह्मखाल, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
165.	दिनांक 30.11.12 से 04.12.12 तक माँ दुर्गा वार्षिक मेला, भाटगाँव, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
166.	दिनांक 01.12.12 से 03.12.12 तक उत्तराखण्ड भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
167.	दिनांक 03.12.12 से 05.12.12 तक व्यासभूड़, कालसी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
168.	दिनांक 07.12.12 को अमर शहीद सैनिक मेला के अवसर पर देवाल, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
169.	दिनांक 09.12.12 को नेताजी सुभाष चन्द्र, शहीद केसरी चन्द तथा शहीद दुर्गामल्ल जी की आदमकद प्रतिमाओं के अनावरण के अवसर पर गाँधी पार्क, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
170.	दिनांक 10.12.12 से 12.12.12 तक श्री चाल्दा महाराज के कोटीबावर विकास खण्ड चकराता के आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
171.	दिनांक 11.12.12 को यूफा अवार्ड–2012 के अवसर पर परेड ग्राउण्ड, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
172.	दिनांक 13.12.12 को पौराणिक सिल्कू मेला, ग्राम चापड़ा, नगुण, थौलधार, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
173.	दिनांक 13.12.12 को अनधा माउण्टेन एसोसिएशन, उत्तरकाशी द्वारा आयोजित बग्वाल महोत्सव के अवसर पर उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
174.	दिनांक 13.12.12 से 14.12.12 तक ग्राम धन्यार, कपकोट में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
175.	दिनांक 13.12.12 से 15.12.12 तक ग्राम सैंज विकास खण्ड कालसी में दीपावली पर्व मेले के अवसर पर कालसी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
176.	दिनांक 15.12.12 को खिर्सू महोत्सव–2012 के अवसर पर खिर्सू, पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
177.	दिनांक 16.12.12 को बदरी केदार विकास समिति द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव के अवसर पर रेंजर्स ग्राउण्ड, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
178.	दिनांक 20.12.12 से 26.12.12 तक बण्ड विकास औद्योगिक पर्यटन सांस्कृतिक एवं किसान मेले के अवसर पर बण्ड, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
179.	दिनांक 21.12.12 से 23.12.12 तक कोट महोत्सव सितोनस्यूँ, पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
180.	दिनांक 22.12.12 से 23.12.12 तक किसान विकास मेले के अवसर पर जखोली, रूद्रप्रयाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

181.	दिनांक 22.12.12 से 23.12.12 तक स्वर्गपुरी पांडवखोली, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
182.	दिनांक 24.12.12 को स्व0 श्री इन्द्रमणी बडोनी जी के 88वीं जयन्ती के अवसर पर अखोड़ी, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
183.	दिनांक 25.12.12 को राठ जन विकास समिति के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वे ऑफ इण्डिया, प्रेक्षागृह, हाथी बड़कला, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
184.	दिनांक 26.12.12 से 27.12.12 तक डोकूला मुनस्यारी, पिथौरागढ़ में आयोजित मेले के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
185.	दिनांक 29.12.12 से 30.12.12 तक कौथीग–2012 के अवसर पर चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
186.	दिनांक 30.12.12 को नव वर्ष–2013 के आगमन पर त्यूनी, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
187.	दिनांक 30.12.12 से 31.12.12 तक पिण्डर घाटी महोत्सव के अवसर पर नारायणबगड़, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
188.	दिनांक 30.12.12 से 01.01.13 तक श्री सिद्धबाबा महोत्सव के अवसर पर दुगड्डा, पौड़ी गढवाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
189.	दिनांक 30.12.12 से 02.01.13 तक शरदोत्सव के अवसर पर हल्द्वानी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
190.	दिनांक 31.12.12 को नव वर्ष–2013 की पूर्व संध्या पर सेवला कलां, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
191.	दिनांक 06.01.13 को माघ मेला के अवसर पर हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
192.	दिनांक 07.01.13 को चौंदकोट महोत्सव के अवसर पर स्याल्दे, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
193.	दिनांक 08.01.13 से 14.01.13 तक उत्तरायणी मेला हीरानगर, हल्द्वानी जनपद नैनीताल में सांस्कृति सांस्कृतिक कार्यक्रम।
194.	दिनांक 09.01.13 को मरोज मेला के अवसर पर मसूरी, जनपद देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
195.	दिनांक 11.01.13 से 14.01.13 तक शहीद नागेन्द्र सकलानी एवं मोलू भरदारी मेला के अवसर पर कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
196.	दिनांक 13.01.13 को विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर बालावाला, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
197.	दिनांक 13.01.13 को मरोज महोत्सव एवं सम्मान समारोह के अवसर पर पुरोड़ी, चकराता में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
198.	दिनांक 13.01.13 से 14.01.13 तक उत्तरायणी मेला, सितारगंज, ऊधमसिंहनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

199.	दिनांक 13.01.13 से 16.01.13 तक उत्तरायणी कौथीग के अवसर पर खटीमा, ऊधमसिंहनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
200.	दिनांक 13.01.13 से 18.01.13 तक उत्तरायणी मेले के अवसर पर बागेश्वर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
201.	दिनांक 14.01.13 को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर नौगांव, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
202.	दिनांक 14.01.13 से 15.01.13 तक उत्तरायणी मेले के अवसर पर सेराघाट, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
203.	दिनांक 15.01.13 को गेंद मेले के अवसर पर थलनदी, पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
204.	दिनांक 18.01.13 को कोटेश्वर मेले के अवसर पर चाका, क्वीली, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
205.	दिनांक 23.01.13 से 27.01.13 तक कौथीग–2013 के अवसर पर मुम्बई में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
206.	दिनांक 24.01.13 को राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह–2013 के अवसर पर रामनगर जनपद नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
207.	दिनांक 26.01.13 को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर थत्यूड़, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
208.	दिनांक 28.01.13 को स्व0 श्री शेर सिंह भैंसोड़ा एवं स्व0 श्री नयन सिंह भैंसोड़ा जी की पुण्य स्मृति में धौलादेवी, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
209.	दिनांक 02.02.13 से 03.02.13 तक प्रख्यात लोक गायक गोपाल बाबू गोस्वामी जी के जन्मदिन समारोह के अवसर पर चौखुटिया, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
210.	दिनांक 02.02.13 से 03.02.13 तक जौनसार बावर सांस्कृतिक महोत्सव के अवसर पर ओ.एन.जी.सी. के डा0 बी.आर. अम्बेडकर मैदान, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
211.	दिनांक 09.02.13 से 10.02.13 तक आयोजित गढ़वाल महोत्सव–2013 के अवसर पर अमृतसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
212.	दिनांक 12.02.13 से 15.02.13 तक बसन्तोत्सव–2013 के अवसर पर रामनगर जनपद नैनीताल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
213.	दिनांक 17.02.13 को आरगढ़–गोनगढ़ बसंत पंचमी पर्यटन विकास मेले के अवसर पर नागेश्वर सौड़, भिलंगना टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
214.	दिनांक 24.02.13 को रवांई घाटी सांस्कृतिक महोत्सव एवं विकास मेले के अवसर पर नौगांव, पुरोला, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
215.	दिनांक 24.02.13 को आईसोटॉप हाईड्रोलॉजी सेन्टर के उद्घाटन के अवसर पर हैस्को, शुक्लापुर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

216.	दिनांक 25.02.13 को नगर निगम, देहरादून के प्रेक्षागृह लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर नगर निगम, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
217.	दिनांक 25.02.13 से 27.02.13 तक शहीद मेले के अवसर पर दुगड्डा, पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
218.	दिनांक 27.02.13 को बसन्त मेले के अवसर पर हथियारी, विकासनगर, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
219.	दिनांक 06.03.13 को सिद्धेश्वर मेले के अवसर पर ग्राम कपराड़ा, चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
220.	दिनांक 08.03.13 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2013 के अवसर पर देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
221.	दिनांक 08.03.13 को तृतीय बटालियन पैरासूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) के 200वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
222.	09.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर श्री सिद्धपीठ कोटेश्वर महादेव मन्दिर समिति, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
223.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर काण्डा, बागेश्वर में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
224.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर, उत्तरकाशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
225.	दिनांक 10.03.13 को 29वें ग्रामीण युवा समारोह के अवसर पर पिण्डेश्वर महादेव मन्दिर गगास, द्वाराहाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
226.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर, भरसोली, देघाट, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
227.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर ग्राम रौनडाल, अल्मोड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
228.	दिनांक 10.03.13 से 11.03.13 तक शिवरात्रि मेले के अवसर पर देवाल, थराली, चमोली में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
229.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर सहिया, कालसी, देहरादून में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
230.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर थत्यूड़, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
231.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर खानपुर, हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

232.	दिनांक 10.03.13 को शिवरात्रि मेले के अवसर पर लक्सर, हरिद्वार में सांस्कृतिक कार्यक्रम।
233.	दिनांक 10.03.13 को राज भवन, देहरादून में नन्दा राज जात कैलेण्डर विमोचन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
234.	दिनांक 11.03.13 को महाशिवरात्रि मेले के अवसर पर मदकोट, मुनस्यारी, पिथौरागढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान :–

प्रदेश की पारम्परिक लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन, संवर्द्धन एवं संरक्षण में कई वर्षों से अनवरत रूप से कार्यरत प्रदेश के गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने का प्राविधान है। इसी परिप्रेक्ष्य में संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कार्यरत स्वायत्तशासी सांस्कृतिक संस्थाओं को विभिन्न प्रयोजनार्थ आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में जिन 5 गैर सरकारी संगठनों को विभाग द्वारा वित्त पोषित किया गया है, उनका विवरण निम्नवत है :–

क्र0सं0	संस्था का नाम	प्रयोजन
1	परमार्थ पिक्चर्स, हाथी बड़कला, देहरादून।	फिल्म विधा यथा–अभिनय, निर्देशन तथा फिल्मांकन पर 7 दिवसीय कार्यशाला के आयोजनार्थ।
2	महाकवि कालीदास जन्म भू–स्मारक समिति ग्राम–कविल्ठा पो0–कोटमा जनपद रूद्रप्रयाग।	दिनांक 14 जून, 2012 से 16 जून, 2012 तक त्रिदिवसीय महाकवि कालीदास समारोह–2012 के आयोजनार्थ।
3	कार्तिकेय सेवा समिति, रूद्रप्रयाग।	दिनांक 8 जून, 2012 से 14 जून, 2012 तक कार्तिकेय स्वामी मन्दिर में महायज्ञ पुराण के आयोजनार्थ।
4	रीच संस्था, देहरादून।	वर्ष 2007 में आयोजित विरासत महोत्सव के आयोजन पर हुए व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति।
5	श्री शारदा मठ कसारदेवी, अल्मोड़ा।	स्वामी विवेकानन्द जी की 150वीं जयन्ती के आयोजनार्थ।

उत्तराखण्ड के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों/साहित्यकारों को मासिक पेंशन योजना का लाभ :–

प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं सम्वर्द्धन हेतु जिन लोक कलाकारों/साहित्यकारों ने अपना सम्पूर्ण जीवन कला एवं साहित्य की सेवा में समर्पित कर दिया है और वृद्धावस्था एवं अस्वस्थता के कारण अपने जीवन यापन में असमर्थ हो गये हैं, ऐसे कलाकारों/साहित्यकारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा इन्हें ₹ 3000.00 प्रतिमाह मासिक पेंशन का भुगतान किया जा रहा है, जिनका विवरण निम्नवत् है :–

क्र. सं.	कलाकार/साहित्यकार का नाम व पता
1.	श्री सोहन लाल पुत्र श्री लालू राम, ग्राम शिलिंग, पो0 उपराड़ी, जनपद अल्मोड़ा।
2.	श्री विष्णु दत्त जुयाल 'मनुज', ग्राम वसोला, पो0 डुंगरी, धुमाकोट, हाल निवास रोचिपुरा, ग्राम व पो0 माजरा, देहरादून।
3.	श्री मोहन राम, ग्राम महरखोला, पो0 शिलिंग, जनपद पिथौरागढ़।
4.	श्री दिवानी राम ग्राम–देवराड़ा, पो0 थराली, जनपद चमोली।
5.	श्री हर सिंह गैड़ा बिष्ट, ग्राम वैदीवगड़, पो0 सैंज, जनपद अल्मोड़ा।
6.	श्री मोहन राम पुत्र स्व0 श्री हीरा राम, प्राइमरी पाठशाला के पीछे, पो0 सोमेश्वर, जनपद अल्मोड़ा।
7.	श्री तारा राम आर्या, ग्राम व पो0 सुरंग (ओखलकांडा), जनपद नैनीताल।
8.	श्री हरी राम पुत्र श्री चनर राम, ग्राम गड़सारी, पो0 बसभीड़ा, जनपद अल्मोड़ा।
9.	श्री नरेन्द्र दत्त जमलोकी पुत्र श्री ब्रह्मा नन्द जमलोकी, गायत्री कुटीर फाटा, पो0फाटा, जनपद रूद्रप्रयाग।
10.	श्री पाती राम नौटियाल, पुत्र स्व0 श्री हरि कृष्ण नौटियाल, ग्राम व पो0 साल्ड, जनपद उत्तरकाशी।
11.	श्री नत्थी दास पुत्र श्री शिव दास, ग्राम ठाड़ा, पो0 टुंगरा, जनपद देहरादून।
12.	श्री केशव दत्त तिवारी पुत्र श्री तारा दत्त तिवारी, ग्राम व पो0 डोबा, जनपद अल्मोड़ा।
13.	श्री मोती राम पुत्र स्व0 श्री बद्री राम, ग्राम मूर्ति, पो0 खतेड़ा, जनपद पिथौरागढ़।
14.	श्रीमती कबूतरी देवी पत्नी श्री दिवानी राम, ग्राम व पो0 क्वीतड़, जनपद पिथौरागढ़।
15.	श्री राज किशोर सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह, मिसन भटकोट, जनपद पिथौरागढ़।
16.	श्री जय राम पुत्र श्री बची राम, ग्राम व पो0 चण्डाक, जनपद पिथौरागढ़।
17.	श्री जमीर बख्श पुत्र श्री खुदा बख्श, पुराना बाजार, जनपद पिथौरागढ़।
18.	श्री गणेश राम पुत्र स्व0 श्री जोगा राम, ग्राम व पो0 चण्डाक, जनपद पिथौरागढ़।
19.	श्री भुवन चन्द्र जोशी पुत्र स्व0 श्री बद्री दत्त जोशी, ग्राम व पो0 चण्डाक, जनपद पिथौरागढ़।
20.	श्री नाथू राम पुत्र स्व0 श्री धनी राम, ग्राम फुलई, जागेश्वर, जनपद अल्मोड़ा।
21.	श्री अर्जुन राम पुत्र स्व0 श्री चनी राम ग्राम पटकन्या, पो0 अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा।

22.	श्री हरी राम पुत्र स्व0 श्री पनी राम, ग्राम धुरकुना, पो0 अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा।
23.	श्री त्रिलोक सिंह पुत्र स्व0 श्री उदय सिंह, ग्राम लिगुणता, पो0 मगलता, जनपद अल्मोड़ा।
24.	श्री गिरधर सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, ग्राम मलान, पो0 छड़पदेव, जनपद पिथौरागढ़।
25.	श्री रूप लाल पुत्र श्री शिव राम, ग्राम व पो0 देवराड़ा, जनपद चमोली।
26.	श्री गंगा राम पुत्र श्री तिला राम, ग्राम चिमचुवा पो0 कनालीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
27.	श्रीमती मोहनी देवी पत्नी श्री जगत राम, ग्राम हुड़ेती, पो0 डिग्री कालेज, जनपद पिथौरागढ़।
28.	श्री अर्जुन राम पुत्र स्व0 श्री शेर राम, ग्राम दिगतोली, जनपद पिथौरागढ़।
29.	श्री जगत राम पुत्र स्व0 श्री धूस राम, ग्राम स्यूनी पो0 ऐंचोली, जनपद पिथौरागढ़।
30.	श्री बंशी लाल पुत्र बुद्धि राम, ग्राम व पो0 दन्या, जनपद अल्मोड़ा।
31.	श्री शरद लाल पुत्र स्व0 श्री मोती लाल, मिशन कम्पाउण्ड द्वाराहाट, जनपद अल्मोड़ा।
32.	श्री दानी राम पुत्र स्व0 श्री गोप राम, ग्राम स्यून पोखरा पो0 शिलिंग, जनपद पिथौरागढ़।
33.	श्री नारायण सिंह चम्याल, पुत्र स्व0 श्री दान सिंह चम्याल, ग्राम बूँगा, पो0 जमराड़ी, जनपद अल्मोड़ा।
34.	श्री लछम सिंह पुत्र स्व0 श्री गंगा सिंह, ग्राम खाँकरी, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
35.	श्री जगदीश प्रसाद पुत्र स्व0 श्री पदी राम, ग्राम हटौला, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
36.	श्री त्रिलोक सिंह नेगी पुत्र स्व0 श्री किशन सिंह नेगी, ग्राम खुडियारी, पो0 मंगलता, जनपद अल्मोड़ा।
37.	श्री जगदीश प्रसाद जगूड़ी पुत्र श्री भूरा राम ग्राम पौलगाँव पो0 बड़कोट, जनपद उत्तरकाशी।
38.	श्री मुन्नी दास पुत्र स्व0 श्री नकटू दास, ग्राम काण्डी पो0 ठांगर, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
39.	श्री राम प्रसाद बिजल्वाण पुत्र श्री सालिक राम, ग्राम जयद्वार तल्ला पो0 सिगुनी सेरा, जनपद टिहरी गढ़वाल।
40.	श्री मोती राम पुत्र श्री देव राम, ग्राम हुड़ेती पो0 डिग्री कालेज, जनपद पिथौरागढ़।
41.	श्री दिवानी राम पुत्र श्री बच्ची राम, ग्राम धोबी घाट पियाना पो0 डिग्री कालेज, जनपद पिथौरागढ़।
42.	श्री राम भक्ति लाल, पुत्र स्व0 श्री मोहन लाल, ग्राम अपर चोपड़ा, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
43.	श्री दीवान सिंह गैड़ा, पुत्र स्व0 श्री डिगर सिंह गैड़ा, ग्राम बफौली कोट, पो0 सैंज, जनपद बागेश्वर।
44.	श्री कालू राम पुत्र स्व0 श्री जोगा राम, ग्राम तड़ीगॉव, पो0 व जनपद पिथौरागढ़।
45.	श्री मोहन सिंह, पुत्र स्व0 श्री मदन सिंह, ग्राम त्रिनैली, पो0 चरचालीखान, जनपद अल्मोड़ा।
46.	श्री दरवान राम पुत्र श्री बच्चीराम, ग्राम बाँक पो0 मुन्दोली, जनपद चमोली।
47.	श्री रमेश लाल पुत्र श्री प्रताप राम ,ग्राम व पोस्ट छेड़ा कोलानी, जनपद पिथौरागढ़।
48.	श्री जोगा राम पुत्र स्व0 गंगा राम ग्राम महर खोला पो0 शिलिंग, जनपद पिथौरागढ़।
49.	श्री बद्री राम पुत्र श्री किडराम, ग्राम व पोस्ट मेल डूँगरी, जनपद पिथौरागढ़।
50.	श्री लच्छी राम पुत्र स्व0 श्री गंगा राम ग्राम पुनेड़ी महर पो0 एवं जनपद पिथौरागढ़।

51.	श्री रतन राम पुत्र श्री मेहर राम, ग्राम व पो0 मेल डूँगरी, जनपद पिथौरागढ़।
52.	श्री बच्ची राम पुत्र स्व0 श्री मोती राम, ग्राम हट्यूड़ा (फल्युड़ा), पो0 सोमेश्वर, जनपद अल्मोड़ा।
53.	श्रीमती गोविन्दी देवी, पत्नी स्व0 लछम राम, ग्राम बूँगा, मुनस्यारी, जनपद पिथौरागढ़।
54.	श्री छोटे लाल आर्य पुत्र स्व0 श्री पूरन सिंह, 98 अम्बेडकर कालोनी, आमवाला तरला, पो0 तपोवन रायपुर रोड़, देहरादून।
55.	श्री भवानी राम, पुत्र स्व0 श्री जमनी राम, ग्राम देवराड़ा, पो0 थराली, जनपद चमोली।
56.	श्रीमती जमुना देवी पत्नी स्व0 बीरबल, ग्राम घमण्डपुर, पो0 निम्बूचौड़, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
57.	श्री विशम्बर दत्त जोशी पुत्र स्व0 श्री चिन्ता मणी जोशी, ग्राम बजीना पो0 ईड़ा, जनपद अल्मोड़ा।
58.	श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री सावणू, ग्राम हरिपुर (जमुना पुल के नजदीक)जनपद देहरादून।
59.	श्री प्रेम चन्द्र पटेल, पुत्र श्री बौरंगी राम पटेल, ग्राम व पो0 रेशम माजरी, जनपद देहरादून।
60.	श्री चारू चन्द्र चन्दोला पुत्र स्व0 श्री रत्नाम्बर दत्त चन्दोला, 18/12 पटेल मार्ग, देहरादून।
61.	श्री भगवान सिंह करायत पुत्र स्व0 श्री दलीप सिंह करायत, ग्राम मोत्यूराज पो0 कर्ण करायत जनपद चम्पावत।
62.	श्री जुवारी लाल पुत्र स्व0 श्रीपति, ग्राम दोणी पल्ली, पो0 मैगाधार, जनपद टिहरी गढ़वाल।
63.	श्री आनन्द राम पुत्र स्व0 श्री मोहन राम, ग्राम देवल, डीडीहाट, जनपद पिथौरागढ़।
64.	श्री मोहन राम पुत्र श्री चनर राम, ग्राम तमकिया रौड़ा, पो0 उडियारी, डीडीहाट, जनपद पिथौरागढ़।
65.	श्री दुलप राम पुत्र श्री दली राम, ग्राम बैठोली, पो0 काण्डे, डीडीहाट, जनपद पिथौरागढ़।
66.	श्रीमती लछीमा देवी नागिला पत्नी स्व0 श्री अम्बादत्त, ग्राम हटौला, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
67.	श्री हरी राम पुत्र श्री गोपी राम, ग्राम अधरिया, पो0 धानाचूली, जनपद नैनीताल।
68.	श्री भजन लाल निराला पुत्र श्री पिंगल दास, ग्राम बागी, चिन्याली सौड़, जनपद उत्तरकाशी।
69.	श्री प्रताप सिंह पुत्र स्व0 दलीप सिंह, ग्राम ठांग, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
70.	श्रीमती धर्मा देवी पत्नी श्री प्रयाग सिंह, ग्राम डोबर गाड़, पो0 रावत सेरा, जनपद बागेश्वर।
71.	श्री जोगा राम पुत्र श्री भीम राम, ग्राम चामी, पो0 गुरड़ा बांज, जनपद अल्मोड़ा।
72.	श्री कृष्णा नन्द पुत्र श्री देवी दत्त, ग्राम डिगरीगूँठ, पो0 जागेश्वर, जनपद अल्मोड़ा।
73.	श्री शिव सिंह भण्डारी पुत्र श्री नेत्र सिंह, ग्राम कीमाणा, पो0 जखोला, जनपद चमोली।
74.	श्रीमती कुरी देवी पत्नी श्री तुला राम, ग्राम पाली पो0 रोड़ीपाली, जनपद पिथौरागढ़।
75.	श्रीमती बचुली देवी, पत्नी श्री शिव राम, ग्राम हुड़ेती पो0 डिग्री कालेज, जनपद पिथौरागढ़।
76.	श्रीमती बचन देई पत्नी श्री शिव चरण, ग्राम दोणी पल्ली, पो0 मैगाधार, जनपद टिहरी गढ़वाल।
77.	श्री गोपी चन्द पुत्र श्री परमल चन्द, बार पत्थर रोड़, सिलथाम पो0 एवं जनपद पिथौरागढ़।

78.	श्री नैन राम पुत्र श्री भानी राम, ग्राम व पो0 झूलाघाट, जनपद पिथौरागढ़।
79.	श्री टीका राम पुत्र श्री मोती राम, ग्राम गैना, पो0 बड़ाकू, जनपद पिथौरागढ़।
80.	श्रीमती आनन्दी देवी पत्नी स्व0 श्री मान सिंह, ग्राम हटौला, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
81.	श्रीमती हजारी देवी पत्नी स्व0 श्री झूसिया दमाई, ग्राम व पो0 दुगातोली, जनपद पिथौरागढ़।
82.	श्री नन्दन सिंह पुत्र स्व0 नैन सिंह, ग्राम भल्योड़ी पो0 खेती, जनपद बागेश्वर।
83.	श्री देव राम पुत्र स्व0 श्री लछी राम, ग्राम व पो0 जमराड़ी, जनपद अल्मोड़ा।
84.	श्री आचार्य हरीश लाल आर्य पुत्र स्व0 श्री हिम्मत राम, ग्राम व पो0 हरीपुर नायक, जनपद नैनीताल।
85.	श्रीमती कलावती देवी पत्नी स्व0 श्री दिवानी राम, ग्राम पाली, पो0 रोड़ीपाली, जनपद पिथौरागढ़।
86.	श्री देवी लाल पुत्र स्व0 जीत राम, ग्राम जोशी खोला, जनपद अल्मोड़ा।
87.	श्रीमती भागुली देवी पत्नी श्री कल्याण सिंह, ग्राम डुंगरलेख, पो0 मंगलता, जनपद अल्मोड़ा।
88.	तुलसी देवी पत्नी स्व0 श्री दुर्गा दत्त, ग्राम पीपलखेत, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
89.	श्री कल्याण सिंह, पुत्र स्व0 श्री रूप सिंह, ग्राम डुंगरलेख, पो0 मंगलता, जनपद अल्मोड़ा।
90.	श्री आनन्द सिंह पुत्र स्व0 श्री त्रिलोक सिंह, ग्राम डुंगरलेख,पो0 मंगलता, जनपद अल्मोड़ा।
91.	श्री नैन सिंह पुत्र स्व0 दिवान सिंह, ग्राम रीमा पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
92.	श्रीमती बचूली देवी पत्नी स्व0 श्री शिव कुमार, ग्राम लोदस पो0 भट्टगाँव,जनपद टिहरी गढ़वाल।
93.	श्री सावन दास पुत्र स्व0 श्री मोहन दास, ग्राम लोदस पो0 भट्टगाँव, जनपद टिहरी गढ़वाल।
94.	श्री श्याम लाल पुत्र स्व0 श्री पनी राम, ग्राम बड़ेत, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा।
95.	श्रीमती माधवी देवी पत्नी स्व0 श्री दलीप सिंह, ग्राम भटखोला, पो0 छानी, जनपद बागेश्वर।
96.	श्री शिव चरण पुत्र स्व0 श्री पति, ग्राम दोणी पल्ली पो0 मैगाधार, जनपद टिहरी गढ़वाल।
97.	श्री राम लाल पुत्र स्व0 श्री जाथली राम, ग्राम चोरखेत पो0 खुर्पाताल तहसील एवं जनपद नैनीताल।
98.	श्री सुदामा प्रसाद प्रेमी पुत्र स्व0 श्री हरि राम डबराल, ग्राम व पो0 फल्दा विकास खण्ड कल्जीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
99.	श्री लच्छी राम पुत्र श्री दानी राम, सुल्तान नगरी गौलापार, पो0 काठगोदाम, जनपद नैनीताल।
100.	श्री श्याम लाल पुत्र स्व0 श्री शिव लाल, ग्राम कुमौड़, पट्टी महरखास, तहसील व जनपद पिथौरागढ़।
101.	श्री ओंकार दास पुत्र श्री बाग दास, ग्राम गवाड़ा (राडागाड़) डागर, पो0 जाखी डागर, जनपद टिहरी गढ़वाल।
102.	श्री शम्भू प्रसाद पुत्र श्री फुन्दी राम, ग्राम व पो0 घुघती तहसील भिकियासैंण, जनपद अल्मोड़ा।

103.	श्री जीत सिंह नेगी, पुत्र स्व0 श्री सुल्तान सिंह नेगी, 108/12 धरमपुर, देहरादून।
104.	श्री आशा राम पुत्र श्री ग्युनिया लाल, ग्राम कोंजपोथनी, पो0 मैकोट तहसील व जनपद चमोली।
105.	श्री हरी राम पुत्र श्री गुसाई राम, ग्राम फुलई, पो0 जागेश्वर, जनपद अल्मोड़ा।
106.	श्री दलीप राम पुत्र स्व0 श्री फकीर राम, ग्राम गैराड़ पो0 झांकरसैम, तहसील भनोली, जनपद अल्मोड़ा।
107.	श्री बहादुर राम पुत्र स्व0 श्री उदी राम, ग्राम भैसियाछाना (तोक ग्राम खैरखेत) तहसील एवं जनपद अल्मोड़ा।
108.	श्री सजन सिंह रावत पुत्र स्व0 श्री पुष्कर सिंह, ग्राम व पो0 भर्की, विकास खण्ड जोशीमठ, जनपद चमोली।
109.	श्री कैलाश बहुखण्डी ''जीवन'' पुत्र स्व0 श्री ब्रह्मानन्द बहुखण्डी, ग्राम गोरखपुर, पो0 मवाकोट, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
110.	श्रीमती कुशला देवी पत्नी स्व0 श्री रामभक्ति लाल, ग्राम बौंसरी पो0 किवर्स (टेका) पट्टी गगवाड़स्यूँ, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
111.	श्री राम चरण पुत्र श्री मूल चन्द, ग्राम व पो0 नैथाणा पट्टी मनियारस्यूँ पूर्वी, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
112.	श्री राम रतन काला, पुत्र श्री महा नन्द काला, पदमपुर सुखरों, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
113.	श्री रामी राम पुत्र श्री हरमल राम, ग्राम कानड़ी पो0 झूलाघाट, जनपद पिथौरागढ़।
114.	श्री बहादुर राम पुत्र स्व0 श्री भौंकी राम, ग्राम कानड़ी पो0 झूलाघाट, जनपद पिथौरागढ़।
115.	श्री लच्छी राम पुत्र स्व0 श्री बिस राम, ग्राम बालाकोट तोक खोरसींग, पो0 थरकोट, जनपद पिथौरागढ़।
116.	श्री नैन नाथ रावल, पुत्र श्री टीका नाथ रावल, ग्राम सिरौली, पो0 दन्या, जनपद अल्मोड़ा।
117.	श्री जगदीश प्रसाद डबराल पुत्र स्व0 श्री कली राम डबराल, ग्राम गूम, पो0 पौखाल, पट्टी अजमेर वल्ला, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
118.	श्री रमेश चन्द्र राय पुत्र स्व0 श्री हृदय राम राय, ग्राम चौड़ी, पो0 लोहाघाट, जनपद चम्पावत।
119.	श्री मोहन चन्द्र राय पुत्र स्व0 लाल मणी राय, ग्राम चौड़ी, पो0 लोहाघाट, जनपद चम्पावत।
120.	श्री सतीश चन्द्र कर्नाटक पुत्र श्री शेखरा नन्द कर्नाटक, ग्राम गोशनी (कैड़ागाँव) पो0 खेतीखान, जनपद चम्पावत।
121.	श्री हरेन्द्र लाल, पुत्र स्व0 श्री मूंगा लाल, ग्राम व पो0 अमोठा, वाया पाटीसैंण पट्टी मौदांड़स्यूँ, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
122.	श्री गिरीश चन्द्र कैलखुरा पुत्र स्व0 श्रीराम कैलखुरा, ग्राम व पो0 नैणी, वाया नौटी, जनपद चमोली।
123.	श्री दिनेश चन्द्र पन्त श्री मगना नन्द पन्त, ग्राम सलाना, पो0 बजवाड़, पट्टी बालीकण्डारस्यूँ, तहसील व जनपद पौड़ी गढ़वाल।

124.	श्रीमती परूली देवी पत्नी स्व0 श्री गुसांई राम, ग्राम व पो0 सुनोली, विकास खण्ड ताकुला, जनपद अल्मोड़ा (पारिवारिक पेंशन)।
125.	श्रीमती नारायणी देवी पत्नी स्व0 श्री लाल सिंह, ग्राम ठांग, पो0 कनारीछीना, जनपद अल्मोड़ा (पारिवारिक पेंशन)।
126.	श्रीमती आनन्दी गौतम पत्नी स्व0 श्री जनप्रिय गौतम, वैलेजली कम्पाउण्ड, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी, जनपद नैनीताल (पारिवारिक पेंशन)।
127.	श्रीमती आनन्दी देवी पत्नी स्व0 श्री हिम्मत राम, ग्राम टानी रतमटिया (डुंगरलेख) पो0 मंगलता, जनपद अल्मोड़ा (पारिवारिक पेंशन)।
128.	श्रीमती जोगयानी देवी पत्नी स्व0 श्री मोहन राम, ग्राम महरखोला, पो0 शिलिंग जनपद पिथौरागढ़ (पारिवारिक पेंशन)।
129.	श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी स्व0 श्री कुन्दन सिंह ग्राम व पो0 जमराड़ी, जनपद अल्मोड़ा (पारिवारिक पेंशन)।

कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु आर्थिक सहायता

प्रदेश के स्थायी निवासियों जिन्होंने वर्ष 2011 एवं 2012 में कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की है, को संस्कृति विभाग द्वारा 25–25 हजार ₹ की आर्थिक सहायता वित्तीय वर्ष 2012–13 में उपलब्ध करायी गयी। आर्थिक सहायता प्राप्त प्रदेश के 9 स्थायी निवासियों का विवरण निम्नवत् है :–

क्र0सं0	नाम व पता
1.	श्री नरेन्द्र सिंह, ग्राम किमखेत, पट्टी क्वीटी, तहसील मुनस्यारी जनपद पिथौरागढ़।
2.	श्री ध्रुव सिंह मर्तोलिया, ग्राम मगर, पट्टी डोर, तहसील मुनस्यारी जनपद पिथौरागढ़।
3.	श्री सुजीत कुमार सरण, मकान नं0–113/ए 7 सिविल लाईन, रूड़की।
4.	श्री रामबीर सिंह, बी–56 अरिहन्त विहार, विष्णु गार्डन, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार।
5.	सुश्री कामनी कश्यप, मोहल्ला खोल्टा, अल्मोड़ा।
6.	श्री धीरेन्द्र सिंह नेगी, ग्राम बसौली, पो0 भैंसोड़ी, अल्मोड़ा।
7.	श्री कमल किशोर तिवारी, 258 चीनाखान लाईन, तल्लीताल, नैनीताल।
8.	सुश्री निर्मला मनराल, कुमपुर बाजार, लालकुर्ती, तहसील रानीखेत, अल्मोड़ा।
9.	श्री गोविन्द सिंह, ग्राम व पो0 भनार, तहसील कपकोट, बागेश्वर।

संस्कृति के विभिन्न आयामों का ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण हेतु वित्तीय सहायता :–

इस योजना के माध्यम से प्रदेश की लुप्त प्रायः संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिए संजोए रखने एवं संस्कृति से रू–ब–रू कराने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण कर संरक्षित किया जाना है। वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु उक्त योजनान्तर्गत संस्कृति के क्षेत्र में अनवरत रूप से कार्य कर रहे 01 गैर सरकारी संगठन को वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी गई है, जिनका विवरण निम्नवत है :–

क्र.सं.	संस्था का नाम	विषय
1	लोकरंग (पर्वतीय लोक नाट्य, कला, संगीत, संस्कृति व सामाजिक संस्था) रोचिपुरा पो0 माजरा, देहरादून।	स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली के जीवन पर आधारित लघु वीडियो फिल्म के निर्माणार्थ द्वितीय किस्त।

मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता :–

इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में प्रचलित पारम्परिक एवं ऐतिहासिक मेलों के आयोजन हेतु मेला समितियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में 23 मेला समितियों को प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है, जिनका विवरण निम्नवत है :–

क्र.सं.	पारम्परिक एवं ऐतिहासिक मेलों के नाम
1	पूर्व सैनिक कल्याण एसोसिएशन समिति, टिहरी गढ़वाल को विक्टोरिया क्रॉस वीर गबर सिंह मेला चम्बा, टिहरी गढ़वाल के आयोजनार्थ।
2	रूपकुण्ड महोत्सव समिति वैदनी, थराली, चमोली को रूपकुण्ड महोत्सव–2011 के आयोजनार्थ।
3	खादी किसान औद्योगिक पर्यटन विकास मेला समिति, नागनाथ पोखरी, चमोली को खादी किसान औद्योगिक पर्यटन विकास मेला–2011 के आयोजनार्थ।
4	दांतू मेला समिति, धारचूला, पिथौरागढ़ को जनजातीय क्षेत्र धारचूला के दांतू गांव में दिनांक 19 से 22 अगस्त, 2012 तक मेले के आयोजनार्थ।
5	दयारा पर्यटन उत्सव समिति, रैथल, उत्तरकाशी को दयारा बुग्याल पर्यटक स्थल में दिनांक 15 से 16 अगस्त, 2012 तक अण्डूड़ी उत्सव–2012 (बटर फेस्टिवल) के आयोजनार्थ।
6	कुमाऊँ परिषद, लखनऊ को उत्तराखण्ड महोत्सव–2012 के आयोजनार्थ।
7	बेणीनाग महोत्सव समिति, पिथौरागढ़ को बेणीनाग महोत्सव–2012 के आयोजनार्थ।
8	खतलिंग पर्यटन विकास मेला समिति, घुत्तू, टिहरी गढ़वाल को खतलिंग पर्यटन विकास मेला–2012 के आयोजनार्थ।

9	नागनाथ घुणेश्वर तोषी मेला, बक्सीर बांगर, रूद्रप्रयाग को नागनाथ घुणेश्वर तोषी मेले के आयोजनार्थ।
10	राज्य स्तरीय छलिया महोत्सव समिति, पिथौरागढ़ को दिनांक 22 से 26 सितम्बर, 2012 तक राज्य स्तरीय छलिया महोत्सव के आयोजनार्थ।
11	जौलजीवी मेला समिति, पिथौरागढ़ को दिनांक 14 से 20 नवम्बर, 2012 तक जौलजीवी मेला–2012 के आयोजनार्थ।
12	पर्वतीय बिगुल सामाजिक सांस्कृतिक संस्था, मसूरी को उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन शहीद दिवस दिनांक 2 सितम्बर, 2012 के आयोजनार्थ।
13	सरगम सामाजिक संस्था (फिण्डेश्वर महादेव मेला समिति), चमियाला, टिहरी गढ़वाल को फिण्डेश्वर महादेव मेले में कार्यक्रम आयोजनार्थ।
14	ग्लोबल मिशन, छोटीमणी, उत्तरकाशी को चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी में 02 दिवसीय सांस्कृतिक कौथीग मेले के आयोजनार्थ।
15	कोट महोत्सव समिति, पौड़ी को कोट महोत्सव–2010 के आयोजनार्थ अवशेष धनराशि का भुगतान।
16	उत्तरांचल लोक कला एवं साहित्य संरक्षण ट्रस्ट, चितई, अल्मोड़ा को चितई, अल्मोड़ा में 03 दिवसीय लोक महोत्सव के आयोजनार्थ।
17	शहीद नागेन्द्र सकलानी मोलू भरदारी स्मृति सांस्कृतिक विकास मेला समिति, कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल को दिनांक 11 से 14 जनवरी, 2013 तक आयोजित शहीद नागेन्द्र सकलानी मोलू भरदारी स्मृति सांस्कृतिक विकास मेला के आयोजनार्थ।
18	कण्वाश्रम बसन्त महोत्सव विकास समिति, कलालघाटी, कोटद्वार को कण्वाश्रम में बसन्त पंचमी के अवसर पर दिनांक 15 फरवरी, 2013 को सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजनार्थ।
19	कोट महोत्सव समिति, कोट, पौड़ी गढ़वाल को कोट महोत्सव–2012 के आयोजनार्थ।
20	उत्तरायणी मेला समिति, लालकुआँ, नैनीताल को उत्तरायणी एवं लोहड़ी मेला–2013 के आयोजनार्थ।
21	कृषि औद्यानिक एवं पर्यटन विकास मेला समिति, जखोली, रूद्रप्रयाग को कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेला–2012 के आयोजनार्थ।
22	कर्नाटकखोला रामलीला कमेटी, अल्मोड़ा को ऐतिहासिक रामलीला–2012 के आयोजनार्थ।
23	पर्यटन मेला समिति, बधाणीताल, रूद्रप्रयाग को पर्यटन मेला बधाणीताल–2012 के आयोजनार्थ।

जिला योजनान्तर्गत महान विभूतियों के मूर्तियों/शहीद स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य :–

जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला नियोजन अनुश्रवण समिति द्वारा महान विभूतियों एवं शहीदों की चिरस्मृति बनाए रखने के उद्देश्य से महान विभूतियों एवं शहीदों की मूर्ति स्थापना तथा शहीद स्मारकों का निर्माण/सौन्दर्यीकरण जिला योजनान्तर्गत सम्पादित किए जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2012–13 में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 16 महान विभूतियों एवं शहीदों की मूर्ति स्थापना तथा शहीद स्मारकों का निर्माण कार्य सम्पादित कराए गए, जिनका विवरण निम्नवत है :–

1– पिथौरागढ़ :–

1. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 श्री चंचल गिरी तथा स्व0 श्री खड़ग गिरी के स्मारक निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।
2. गंगोलीहाट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 श्री देवगिरी के स्मारक निर्माण/सौन्दर्यीकरण।

2– पौड़ी गढ़वाल :–

1. पौड़ी नगर में स्व0 डॉ0 शिवा नन्द नौटियाल जी की मूर्ति स्थापना एवं पार्क विकास।
2. ग्राम काण्डी, पौड़ी गढ़वाल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 जगमोहन सिंह नेगी जी की मूर्ति स्थापना हेतु आंशिक धनराशि अवमुक्त।

3– चम्पावत :–

1. स्वंतंत्रता संग्राम सेनानी श्री गुमान सिंह महरा ''आजाद'' की मूर्ति/स्मारक/पार्क निर्माण।
2. चौड़ाकोट, चम्पावत में 7 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्ति/स्मारक निर्माण।

4– अल्मोड़ा :–

1. अल्मोड़ा में डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी की मूर्ति एवं पैडस्टल का निर्माण।

5– बागेश्वर :–

1. कपकोट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 श्री चन्द्र सिंह साही जी की आदमकद मूर्ति की स्थापना।
2. स्वराज भवन, बागेश्वर में महात्मा गाँधी जी की आदमकद मूर्ति की स्थापना।

6– चमोली :–

1. कफारतीर, नारायणबगड़, चमोली में प्रथम विश्व युद्ध के वीर सैनिक विक्टोरिया क्रास स्व0 दरवान सिंह जी की मूर्ति स्थापना एवं पार्क विकास।

7– रूद्रप्रयाग :–

1. केदारनाथ, रूद्रप्रयाग में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 श्री पुरूषोत्तम बगवाड़ी जी की मूर्ति स्थापना।

8– ऊधमसिंहनगर :–

1. कैथोलिक चर्च परिसर, बाजपुर में मदर टेरेसा की मूर्ति स्थापना।
2. गदरपुर में श्री उधमसिंह जी की प्रतिमा स्थल का सौन्दर्यीकरण।

9– नैनीताल :–

1. तल्लीताल स्थित रिक्शा स्टैण्ड के समीप डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।

10– टिहरी गढ़वालः–

1. मलेथा स्थित वीर माधो सिंह भण्डारी जी की शोभास्थली का विकास एवं मूर्ति स्थापना।
2. गुमाल गाँव, विकासखण्ड नरेन्द्रनगर में कारगिल शहीद हंस लाल द्वार का निर्माण।

राज्य सेक्टर के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012–13 में महान विभूतियों व शहीदों की स्मृति में मूर्तियों/स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य :–

जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला नियोजन अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अतिरिक्त मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा समय–समय पर की गई घोषणाओं के अनुपालन में महान विभूतियों एवं शहीदों की चिरस्मृति बनाए रखने के उद्देश्य से महान विभूतियों एवं शहीदों की मूर्ति स्थापना तथा शहीद स्मारकों का निर्माण/सौन्दर्यीकरण कार्य राज्य सेक्टर के अन्तर्गत भी सम्पादित किए जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2012–13 में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 02 महान विभूतियों एवं शहीदों की मूर्ति स्थापना तथा शहीद स्मारकों का निर्माण कार्य सम्पादित कराए गए, जिनका विवरण निम्नवत है :–

1– ग्राम बुघाणी, पौड़ी गढ़वाल में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व0 श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा जी की स्मृति में भव्य द्वार का निर्माण।

2– बाजपुर के मुख्य चौराहे पर अमर शहीद श्री भगत सिंह की आदमकद मूर्ति की स्थापना।

अनुसूचित जाति उपयोजना (**SCSP**) के अन्तर्गत वित्तीय सहायता :–

क्र.सं.	संस्था का नाम
1	डा0 अम्बेडकर सांस्कृतिक कला मंच, अनुसूचित जाति बस्ती कोटड़ीसैंण, विकास खण्ड रिखणीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल को लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक वाद्य समारोह के आयोजनार्थ।
2	मालाज वर्ल्ड (द स्कूल ऑफ डांस म्यूजिक एण्ड योग) नेशविला रोड़, देहरादून को भारूवाला क्लेमेन्ट टाउन, देहरादून में अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजनार्थ।
3	यूनिवर्सल सांस्कृतिक शोध नाट्य अकादमी, मालदेवता, देहरादून को अनुसूचित जाति के प्रतिभावान लोक कलाकारों को उत्तराखण्ड की पारम्परिक एवं पौराणिक लोक सांस्कृतिक विधाओं के प्रशिक्षण हेतु 15 दिवसीय कार्यशाला तथा इन प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा 05 दिवसीय मंचीय प्रस्तुति के आयोजनार्थ।
4	दून घाटी रंगमंच, देहरादून को अनुसूचित जाति के कलाकारों को लोक कला के प्रशिक्षण हेतु 15 दिवसीय कार्यशाला तथा इन प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा 04 दिवसीय मंचीय प्रस्तुति के आयोजनार्थ।
5	पिछड़ी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास समिति, नैनबाग, टिहरी गढ़वाल को 28वें सांस्कृतिक एवं विकास मेले में अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुति के आयोजनार्थ।

अनुसूचित जाति उपयोजना (**SCSP**) के अन्तर्गत अनुसूचित जाति बाहुल्य गाँव में सांस्कृतिक भवन का निर्माण :–

अनुसूचित जाति बाहुल्य गाँवों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सभागार, मिनी ऑडिटोरियम तथा संस्कृति भवन आदि के निर्माण हेतु विभाग द्वारा योजना संचालित की गई है। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012–13 में दुगड्डा जनपद पौड़ी गढ़वाल में सांस्कृतिक भवन निर्माणार्थ ₹ 9.82 लाख मात्र धनराशि अवमुक्त की गई।

जनजाति उपयोजना (**TSP**) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2011–12 में आर्थिक सहायता :–

क्र.सं.	संस्था का नाम
1	जौनसार बावर सेवावृत्त कर्मचारी मण्डल, देहरादून को जौनसार बावर महोत्सव–2012 के आयोजनार्थ।
2	शहीद केशरी चन्द स्मारक समिति, क्यावा, चकराता को शहीद केशरी चन्द मेला–2012 के आयोजनार्थ।

प्रमुख अवस्थापनात्मक कार्य :–

प्रेक्षागृहों का निर्माण :– प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक जनपद में प्रेक्षागृह का निर्माण किया जा रहा है। जनपद बागेश्वर प्रेक्षागृह हेतु वित्तीय वर्ष 2012–13 में निर्माण कार्यो हेतु ₹ 50.00 लाख मात्र धनराशि अवमुक्त की गयी है।

हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र :– प्रदेश की सांस्कृतिक अवस्थापनात्मक (cultural infrastructure) सुविधाओं के अन्तर्गत देहरादून में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक परिसर (हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र) की स्थापना का कार्य गतिमान है। इस वृहद परियोजना के अन्तर्गत ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, कान्फ्रेन्स हॉल, ललित कला दीर्घा, आदि का निर्माण कार्य किया जायेगा। राज्य स्तरीय संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था से वित्तृत आगणन गठित करवाकर उच्च स्तरीय अनुश्रवण समिति के माध्यम से भारत सरकार के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना हेतु 13वें वित्त आयोग के माध्यम से ₹ 45.00 करोड़ की धनराशि अनुमोदित की गई है। पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा आई0एच0एम0 परिसर, गढ़ी कैंट स्थित 8 एकड़ भूमि संस्कृति विभाग को हस्तानान्तरित की गई है।

स्व0 श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा जी के बुघाणी स्थित पैतृक आवास को हेरिटेज भवन/संग्रहालय के रूप में विकसित किया जानाः– स्व0 श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा जी की स्मृतियों को संजोए रखने के उद्देश्य से उनके बुघाणी स्थित पैतृक आवास को हेरिटेज भवन/संग्रहालय का स्वरूप प्रदान किये जाने हेतु प्रारम्भिक कार्यों के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु ₹ 92.34 लाख धनराशि अवमुक्त की गई है।

हिमालय एवं गंगा पर आधारित संग्रहालय की स्थापनाः– हिमालयी क्षेत्रों में यत्र–तत्र बिखरी/उपलब्ध सांस्कृतिक धरोहरों को एक स्थान पर संजोकर संरक्षित एवं प्रदर्शित किये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड में हिमालय एवं गंगा पर आधारित संग्रहालय की स्थापना ऋषिकेश में की जानी है। इस हेतु ऋषिकेश में आई0एस0बी0टी0 के समीप 1 एकड़ वन भूमि के हस्तानान्तरण हेतु एन0पी0वी0 की धनराशि वन विभाग को उपलब्ध करा दी गई है। गैर वानिकी कार्यों हेतु उक्त वन भूमि संस्कृति विभाग को प्रत्यावर्तन किये जाने की कार्यवाही गतिमान है।

देहरादून स्थित पुरानी जेल में नेहरू वार्ड में नेहरू स्मारक तथा सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना :– देहरादून की पुरानी जेल के जिस भाग में नेहरू जी रहे थे, उसे नेहरू वार्ड के नाम से जाना जाता है। इस भाग को संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक विरासत के रूप में विकसित की गई है। वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु इस परियोजना हेतु ₹ 31.30 लाख धनराशि अवमुक्त की गई है।

(क) राज्य संरक्षित स्मारक/स्थल

संस्कृति विभाग की अधीनस्थ इकाई क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी एवं अल्मोड़ा द्वारा प्रदेश के 47 संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण एवं रख–रखाव कार्य सम्पादित किये जाते हैं। वर्तमान में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी/अल्मोड़ा के अधीनस्थ निम्नलिखित संरक्षित स्मारक/स्थल हैं:–

क्र0सं0	स्मारक/स्थल का नाम
1.	वैष्णव मन्दिर समूह, देवल, पौड़ी गढ़वाल।
2.	देवलगढ़ मन्दिर समूह, देवलगढ़, पौड़ी गढ़वाल।
3.	शिव मन्दिर पैठाणी, पौड़ी गढ़वाल।
4.	शिवालय, कुखड़गांव, पौड़ी गढ़वाल।
5.	लक्ष्मी नारायण मन्दिर समूह, सुमाड़ी, पौड़ी गढ़वाल।
6.	नारायण कोटि मन्दिर समूह, नारायण कोटि, रूद्रप्रयाग।
7.	नालाचट्टी मन्दिर/स्तूप, रूद्रप्रयाग।
8.	दमयन्ती मन्दिर, ह्यूण, रूद्रप्रयाग।
9.	लक्ष्मी–नारायण मन्दिर समूह, बैरांगणा, रूद्रप्रयाग।
10.	वैतरणी मन्दिर समूह, गोपेश्वर, चमोली।
11.	गोविन्द मन्दिर समूह, सिमली, चमोली।
12.	कुलसारी मन्दिर, कुलसारी, चमोली।
13.	नारायण मन्दिर समूह, देवराड़ा, चमोली।
14.	सूर्य मन्दिर समूह, पलेठी, टिहरी गढ़वाल।
15.	राज–राजेश्वरी मन्दिर, रानीहाट, टिहरी गढ़वाल।
16.	नन्दा देवी मन्दिर समूह, बजिंगा, टिहरी गढ़वाल।
17.	क्यार्क–रैथल मन्दिर समूह, उत्तरकाशी।
18.	जमदग्नि मन्दिर, थान, उत्तरकाशी।
19.	महासू मन्दिर, बड़कोट, उत्तरकाशी।
20.	महासू मन्दिर, पुजेली, उत्तरकाशी।
21.	देवदारा मन्दिर पौंटी, उत्तरकाशी।
22.	मुण्डेश्वर महादेव मन्दिर, पिथुनी, अल्मोड़ा।
23.	पाताल देवी मन्दिर, शैल, अल्मोड़ा।
24.	नौदेवल मन्दिर समूह, बानठौक, अल्मोड़ा।
25.	त्रिनेत्रेश्वर महादेव मन्दिर एवं एकादश रूद्र मन्दिर समूह, बमनसुयाल, अल्मोड़ा।
26.	सिमाण का प्राचीन शिव मन्दिर, चौसाला, अल्मोड़ा।
27.	नन्दा देवी मन्दिर, अल्मोड़ा नगर, अल्मोड़ा।
28.	लखुडियार चित्रित शैलाश्रय, दिंगोली, अल्मोड़ा।
29.	श्री राम मन्दिर, नारायण काली, अल्मोड़ा।
30.	कपिलेश्वर महादेव मन्दिर, सैंज, अल्मोड़ा।

31.	प्राचीन समाधियाँ, जसकोट, अल्मोड़ा।
32.	महारूद्रेश्वर मन्दिर समूह, बल्सा, अल्मोड़ा।
33.	महादेव मन्दिर समूह, सोमेश्वर, अल्मोड़ा।
34.	प्राचीन विश्रामालय, गढ़कोट, चम्पावत।
35.	वाणासुर का किला, मोत्युराज, चम्पावत।
36.	शिव मन्दिर, नादबोरा, चम्पावत।
37.	एक हथिया नौला, ढ़कना, चम्पावत।
38.	शिव मन्दिर (पंचायतन) चैकुनी, चम्पावत।
39.	शिव मन्दिर, खर्क–कार्की, चम्पावत।
40.	शिव मन्दिर, तल्ली मादली, चम्पावत।
41.	प्राचीन समाधियाँ, फुँगर, चम्पावत।
42.	चामुण्डा एवं शिव मन्दिर, पाताल भुवनेश्वर, पिथौरागढ़।
43.	प्राचीन शिव मन्दिर, थल (धामीगाँव), पिथौरागढ़।
44.	एक हथिया देवाल, अल्मियाँ, पिथौरागढ़।
45.	महारूद्र लक्ष्मी– नारायण मन्दिर मरसोली, पिथौरागढ़।
46.	बाघनाथ मन्दिर समूह, बागेश्वर।
47.	बद्रीनाथ मन्दिर समूह, गढ़सेर, बागेश्वर।

(ख) राज्य संरक्षणाधीन स्मारक/स्थल

संस्कृति विभाग की अधीनस्थ इकाई क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी एवं अल्मोड़ा द्वारा प्रदेश के 24 संरक्षणाधीन स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण एवं रख–रखाव कार्य सम्पादित किये जाते हैं। वर्तमान में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, पौड़ी/अल्मोड़ा के अधीनस्थ निम्नलिखित संरक्षणाधीन स्मारक/स्थल हैं:–

क्र0सं0	स्मारक/स्थल का नाम
1.	नगर गांव के मन्दिर, पौड़ी गढ़वाल।
2.	दानड़ी मन्दिर समूह, दानड़ी, पौड़ी गढ़वाल।
3.	शिवालय, महड़, रूद्रप्रयाग।
4.	चण्डिका मन्दिर समूह, भणज, रूद्रप्रयाग।
5.	कर्णधार शिवालय, रूद्रप्रयाग।
6.	सिल्ला मन्दिर समूह, रूद्रप्रयाग।
7.	बसुकेदार मन्दिर समूह, रूद्रप्रयाग।
8.	कण्डारा मन्दिर समूह, कण्डारा, रूद्रप्रयाग।
9.	फलसी मन्दिर समूह, फलसी, रूद्रप्रयाग।
10.	तपोवन मन्दिर समूह, तपोवन, चमोली।
11.	अनुसुया मन्दिर समूह, चमोली।
12.	प्राचीन शिला लेख कसारदेवी (माट), अल्मोड़ा।

13.	बौणसी देवालय, खासतिलाड़ा, अल्मोड़ा।
14.	ऊँटेश्वर मन्दिर समूह एवं आदित्य मन्दिर कनरा, अल्मोड़ा।
15.	पावनेश्वर महादेव मन्दिर पुभाऊँ, अल्मोड़ा।
16.	मणकेश्वर महादेव मन्दिर पारकोट, अल्मोड़ा।
17.	बद्रीनाथ मन्दिर, छतगुला, अल्मोड़ा।
18.	चूड़ाकर्ण महादेव मन्दिर समूह, कोटिड़ा, अल्मोड़ा।
19.	ल्वेथाप चित्रित शैलाश्रय, बाराकोट, अल्मोड़ा।
20.	प्राचीन नौला, पाटन, चम्पावत।
21.	शिव मन्दिर एवं अभिलेखयुक्त नौला, मजपीपल, चम्पावत।
22.	सूर्य मन्दिर एवं देवी मन्दिर, मण, चम्पावत।
23.	महादेव मन्दिर एवं प्राचीन नौला मनटाण्डे, चम्पावत।
24.	विष्णु मन्दिर, कोटली, पिथौरागढ़।

❖ योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2012–13)

(आउट ले की धनराशि हजार ₹ में)

योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि	आउटकम		आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
2205–कला एवं संस्कृति–00–001–निदेशन तथा प्रशासन 03–सांस्कृतिक कार्य निदेशालय	संस्कृति विभाग से सम्बन्धित समस्त कार्यों के सम्पादन एवं नियंत्रण तथा विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु संस्कृति निदेशालय की स्थापना। प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर लोक कलाकारों को लोक कलाओं की प्रस्तुति तथा नाटक आदि के मंचन हेतु पौड़ी में संस्कृति भवन की स्थापना। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण हेतु प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से रामपुर तिराहा, मुजफ्फर नगर में शहीद स्मारक की स्थापना।	4991	7329	–	विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को समयान्तर्गत कार्यान्वियन एवं अनुश्रवण।	–	संस्कृति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को उपलब्ध कराना।	संस्कृति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को उपलब्ध कराना।	–
42–अन्य व्यय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन	प्रदेश की लुप्तप्रायः लोक संस्कृति के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उन्नयन हेतु प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित पारम्परिक एवं ऐतिहासिक मेलों, त्योहारों, पर्वों एवं	–	15000	–	प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित मेले, त्योहारों, उत्सवों एवं पर्वों के अवसर पर 325 सांस्कृतिक	234	–	असंख्य जनमानस को प्रदेश की संस्कृति से रू–ब–रू कराना।	234

	उत्सवों के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।				कार्यमों की प्रस्तुतियाँ दी जानी हैं।				
101–ललित कला शिक्षा–03–भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संस्कृति के प्रति छात्र–छात्राओं में अभिरूचि बनाये रखने तथा इन विधाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने के उद्देश्य से भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय , अल्मोड़ा, देहरादून एवं पौड़ी की स्थापना।	9246	8195	–	शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में अध्ययनरत 35 छात्र–छात्राओं को विशारद की उपाधि।	28	–	संगीत की विभिन्न विधाओं में मानक शिक्षा प्रदान कर रोजगार परक बनाना।	–
102–कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन–0102 –अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु सहायता	शासकीय एवं गैर सरकारी संगठनों को सार्वजनिक अभिलेख, पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण सूचीपत्र, कापियर्स, कैमरा, रीडर्स तथा भवनों के जीर्णोद्धार एवं सुधार हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	–	250	–	राज्य अभिलेखागार, उत्तराखण्ड, देहरादून को ऐतिहासिक दस्तावेजों, हस्तलिपियों एवं दुर्लभ पुस्तकों की माइक्रोफिल्मिंग तथा मरम्मत सामग्रियों हेतु	–	–	दुर्लभ पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों का संरक्षण करना।	–
0103–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता	शासकीय एवं अशासकीय संग्रहालयों के व्यावसायिक विकास जिसमें वीथिकाओं की मरम्मत, जीर्णोद्धार विस्तार हेतु तथा प्रकाशन, अनुरक्षण प्रयोगशाला, संग्रहालय पुस्तकालय, यंत्र एवं अभिलेखीकरण हेतु वित्तीय सहायता दिया जाना।	–	1000	–	–	–	–	सरकारी एवं गैर सरकारी संग्रहालयों को उनके उचित संचालन, प्रबन्धन तथा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण एवं प्रदर्शन।	–

0110–कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े विपन्न कलाकार तथा उनके आश्रितों को राज्यांश के रूप में रू0 500 मासिक पेंशन का भुगतान।	–	25	–	कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े एक कलाकार के आश्रित को राज्यांश के रूप में मासिक पेंशन का भुगतान।	1	–	सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने वाले तथा लोक कला को जीवन्त बनाये रखने वाले वयोवृद्ध लोक कलाकारों एवं उनके आश्रितों को जीवन यापन के लिए मासिक पेंशन प्रदान कर भावी पीढ़ी में लोक कला के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कराना।	1
03–स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान	प्रदेश की संस्कृति यथा लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक नाट्य, लोक वाद्य, वेश–भूषा एवं ऐतिहासिक वस्तुओं के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन में संलग्न एवं अनवरत रूप से कार्यरत व्यक्तियों /गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक अनुदान।	–	1000	–	प्रदेश के 10 गैर सरकारी संगठनों को लोक संस्कृति के संरक्षण, सम्वर्द्धन हेतु कार्यशालाओं, नाट्य महोत्सवों आदि के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता।	5	–	प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के लिये इस कार्य से जुड़े गैर सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।	5
04–स्व0गो0ब0 पन्त लोक कला संस्थान	लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से अल्मोड़ा में लोक कला संस्थान की स्थापना।	532	776	–	–	–	–	प्रदेश की लुप्तप्राय लोक कलाओं को प्रकाश में लाकर विशिष्ट पहचान दिलाना जिससे लोक कलाएं जीविकोपार्जन का साधन भी बन सकेंगी।	–

06–साहित्यिक कला परिषद की स्थापना	साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पुरातत्व एवं संस्कृति की अन्य विधाओं के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास हेतु देहरादून में संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना।	–	1000	–	–	–	–	संस्कृति, साहित्य एवं कला के क्षेत्र में मूर्धन्य व्यक्तित्वों के अनुभवों का लाभ लेकर प्रदेश की समृद्धशाली कला एवं संस्कृति को अक्षुण्ण रखा जा सकेगा।	–
08–रंगमण्डल स्थापना	विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने, रंगमंच को सही दिशा–निर्देश देने, पिछड़े अंचलों में सुसंगत नाट्य शिविरों का आयोजन तथा प्रदेश के युवाओं में लोक संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से देहरादून एवं अल्मोड़ा में रंगमण्डल की स्थापना।	–	1500	–	अभिनय कला के क्षेत्र में सम्भव मंच परिवार, देहरादून तथा रंगमण्डल, देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में पार्थ सारथी हायर सेकेण्ड्री स्कूल, खड़खड़ी, हरिद्वार में 30 दिवसीय नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।	100	–	अभिनय कला का कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षुओं को रोजगार परक बनाना।	100
09–वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े कलाकार एवं लेखक जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पार कर ली हो	–	5000	–	प्रदेश के 150 वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों, लेखकों एवं उनके आश्रितों को को मासिक पेंशन से लाभान्वित	129	–	प्रदेश के वृद्ध एवं विपन्न कला कारों, साहित्यकारों को उनके जीवन यापन हेतु पेंशन भुगतान से प्रेरणा पाकर भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति	129

	तथा वृद्धावस्था एवं अस्वस्थता के कारण अपने जीवन यापन करने में असमर्थ हो गये हों, ऐसे वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों, लेखकों एवं साहित्यकारों को मासिक पेंशन का भुगतान।				किया जाना।			अभिरूचि उत्पन्न होगी तथा साथ ही साथ उन्हें इस कला को अपनाने में उनका भविष्य भी आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित रहेगा।	
10–महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना –1091–जिला योजना	महान विभूतियों तथा शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से मूर्ति स्थापना एवं शहीद स्मारकों का निर्माण।	–	6000	–	महान विभूतियों/ शहीदों की स्मृति में 20 स्मारकों/ मूर्तियों की स्थापना।	16	–	शहीदों का बलिदान एवं महान विभूतियों का योगदान असंख्य जनमानस विशेषकर युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणास्रोत होगा।	16
12–शहीद स्मारक	शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।	4000	–	प्रदेश के किसी एक शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार/ सौन्दर्यीकरण	–	1	जन सामान्य शहीदों के त्याग व बलिदान से परिचित होंगे।	–	1
13–उदय शंकर नृत्य अकादमी का संचालन	भारत की विभिन्न लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों पर आधारित अभिनय कला के नियमित प्रशिक्षण दिये जाने हेतु अल्मोड़ा में उदयशंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी की स्थापना।	–	10000	–	अल्मोड़ा में पं0 उदय शंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी का भवन निर्माणाधीन है।	–	–	पं0 उदय शंकर की विशिष्ट शैली के अध्ययन/ प्रशिक्षण से भावी पीढ़ी लाभान्वित होगी।	–
19–सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय/ प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व के भवनों का संरक्षण	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं जो आज भी जनमानस के नियंत्रण में हैं, ऐसे बहुमूल्य कलाकृतियों एवं	–	6000	–	संग्रहालयों हेतु 20 ऐतिहासक एवं सांस्कृतिक महत्व की वस्तुओं का क्रय किया जाना।	–	–	पुरासम्पदा के महत्व के बारे में आम जनमानस को जानकारी देना तथा उनके नियंत्रण में उपलब्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व	–

	पुरावशेषों को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से क्रय किया जाना। इसके अतिरिक्त पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्मारकों का विकास तथा इनके मूलस्वरूप को बनाये रखने के उद्देश्य से प्रदेश के महत्वपूर्ण स्मारकों एवं भवनों का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाना।							की वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित करना।	
23–महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	देश एवं प्रदेश के महान विभूतियों के योगदान को भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों एवं गोष्ठियों का आयोजन।	–	800	–	भारत रत्न पं0 गो0ब0 पंत जन्म दिवस समारोह का आयोजन।	1	–	महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उनके आदर्शों पर चलने हेतु आम जनमानस को प्रेरित करना।	1
25–कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति योजना / जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार	कनिष्ठ कलाकारों को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने तथा वरिष्ठ कलाकारों को उनकी सृजनात्मक कृतियों के लिये छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिया जाना।	–	1500	–	प्रदेश के 5 वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कलाकारों को छात्रवृत्ति / जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिया जाना।	–	–	प्रदेश की संस्कृति को जीवित रखने तथा इसके प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों को छात्रवृत्ति एवं जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार दिये जाने के फलस्वरूप युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।	–

32–देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना	प्रदेश में साहित्य, संस्कृति, लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, नाट्य कला, शास्त्रीय संगीत तथा ललित कला के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन हेतु देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	–	1500	–	देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की जानी है।	–	–	संस्कृति की विभिन्न कलारूपों के प्रशिक्षण से प्रदेश के कलाकारों को मंच मुहैया होने के साथ–साथ उनकी कला में भी अभिवृद्धि होगी।	–
33– लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	आर्थिक रूप से विपन्न ऐसे लेखक, कवि एवं साहित्यकार जिनकी कृतियां धनाभाव के कारण प्रकाशित नहीं हो पाती हैं उन्हें पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।	–	1500	–	40 साहित्यकारों /लेखकों व कवियों को पुस्तक प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता।	–	–	आर्थिक रूप से विपन्न लेखक, कवि एवं साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उनकी कृतियों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने से धनाभाव के कारण अप्रकाशित पुस्तकों को प्रकाशित किये जाने हेतु धन की कमी नहीं रहेगी।	–
34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता।	प्रदेश के ऐसे स्थायी निवासी जिनके द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की जाती है, को ₹ 25–25 हजार धनराशि आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर प्रोत्साहित करना।	–	700	–	प्रदेश के 10 स्थाई निवासियों को कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने पर आर्थिक सहायता।	9	–	धार्मिक यात्राओं के माध्यम से संस्कृति से रूबरू कराना एवं पर्यटन को बढ़ावा देना।	9
35– मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता	मेला समितियों को संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु प्रदेश के पौराणिक एवं ऐतिहासिक मेलों के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता प्रदान	–	5000	–	30 मेला समितियों को पारम्परिक मेलों के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता।	23	–	पारम्परिक मेलों के आयोजन से प्रदेश की संस्कृति के आदान–प्रदान एवं प्रचार–प्रसार के साथ–साथ लोक संस्कृति, रहन–सहन एवं रीति–रिवाज	23

	करना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के माध्यम से लोक कलाकारों को मंच प्रदान करना है।							समृद्ध हो सकेगी।	
36– संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण	प्रदेश की लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	–	1000	–	प्रदेश के किसी एक महान विभूति / मूर्धन्य कलाकार के जीवन वृतान्त पर आधारित आडियो / वीडियो का निर्माण।	4	–	संस्कृति के विविध रंगों, कला विधाओं, विविध शैलियों का अभिलेखीकरण कर संकलन एवं शोध हेतु भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित किया जाना।	4
37– स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन	गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों तथा धाराओं की पवित्रता, शुद्धता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्तित्व बनाये रखने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जनमानस की सहभागिता के लिये प्रेरित करना।	–	2500		कार्यक्रमों के माध्यम से जन जागरूकता।	प्रदेश स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इको क्लब के माध्यम से जागरूकता अभियान तथा विद्यालय स्तर पर स्पर्श गंगा समिति तथा स्पर्श गंगा वनों को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण।	25000	जीवन दायी गंगा एवं सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने से आम–जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा।	25000
103–पुरातत्व विज्ञान 0101–पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति	राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों	743	–	–	–	–	–	पुरावशेषों की खोज तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित करने से अपने	–

अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन (50 प्रतिशत के0स0)	का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन तथा पंजीकरण का कार्य करना।							अतीत के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी।	
03–पुरातत्व अधिष्ठान	प्रदेश के संरक्षित एवं संरक्षणाधीन स्मारक एवं स्थलों को संरक्षण की दृष्टि से जीर्णोद्धार कर मूल स्वरूप प्रदान करना तथा उनकी सुरक्षा करना।	7536	1300	–	2 संरक्षित स्मारकों का जीर्णोद्धार किया जाना।	2	–	ऐतिहासिक धरोहरों के मूल स्वरूप को बनाये रखने के उद्देश्य से अनुरक्षण कार्य करना।	2
104–अभिलेखागार–0102–राज्य अभिलेखागार हेतु उपकरणों का क्रय	प्राचीन अभिलेखों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु माइक्रोफिल्मिंग मशीन, फोटोकॉपियर मशीन आदि उपकरणों का क्रय किया जाना।	–	1	–	–	–	–	प्राचीन अभिलेखों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण हेतु अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग में लाना।	–
03–राज्य अभिलेख	जनसामान्य के व्यक्तिगत अधिकार में तथा शासकीय कार्यों से अभिलेखों, दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों का स्थानान्तरण तथा विभाग के पास उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित किये जाने हेतु आवश्यक मरम्मत, वाष्पीकरण तथा माइक्रोफिल्मिंग आदि कार्य सम्पादित करना।	4011	5457	–	दुर्लभ पुस्तकों को अभिलेखागार में स्थानान्तरित किया जाना तथा अभिलेखों के संरक्षण एवं संवर्द्धन कार्य।	राज्य अभिलेखा–गार, उत्तराखण्ड देहरादून में उपलब्ध अभिलेखों/ वाल्यूम्स की सफाई, वाष्पीकरण तथा पुस्तकों, पंजिकाओं, पत्रावलियों तथा गार्ड फाइलों की मरम्मत/ सिलाई तथा बाइंडिंग कार्य।	–	शोधार्थियों एवं भावी पीढ़ी को प्राचीन अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने हेतु संरक्षित किया जाना।	850

107–संग्रहालय 03–अधिष्ठान व्यय	यत्र–तत्र बिखरे पुरावशेषों को सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित करने के साथ–साथ आम जनमानस के नियंत्रण में उपलब्ध ऐतिहासिक वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।	6604	2795	–	30 प्रस्तर प्रतिमाओं का रासायनिक उपचार।	25	–	शोध छात्रों एवं आगन्तुकों हेतु पुरावशेषों एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं को प्रदर्शित करने हेतु संरक्षित करना।	25
4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 –कला एवं संस्कृति–106–संग्रहालय–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101 –13वें वित्त आयोग की संस्तुति के क्रम में संग्रहालय का निर्माण	प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरी/उपलब्ध पुरा सम्पदा को एक स्थान पर संजोकर संरक्षित एवं प्रदर्शित किये जाने हेतु ऋषिकेश में राज्य स्तरीय संग्रहालय की स्थापना।	62500	–	–	देहरादून में राज्य स्तरीय संग्रहालय की स्थापना की जानी है।	–	–	देश– विदेश से पधारने वाले पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जन सामान्य को पुरा सम्पदा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु संग्रहालय की स्थापना।	–
03–संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण	विभागीय भवनों यथा प्रेक्षागृह संगीत महाविद्यालय, संग्रहालय, आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक परिसर आदि के निर्माण का मुख्य उद्देश्य कलाकारों को उनकी प्रस्तुति हेतु मंच प्रदान करने के साथ–साथ चित्रकारों की पेंटिंग्स आम जनमानस के अवलोकनार्थ आर्ट गैलरी तथा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृतियों के	–	28000	–	2 विभागीय भवन यथा– स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा के बुघाणी स्थित पैतृक आवास को संग्रहालय/हेरिटेज का स्वरूप प्रदान किया जाना।	1 भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।	–	स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा जी की स्मृतियों को चिर स्थाई रखने के उद्देश्य से बुघाणी स्थित उनके पैतृक आवास को हेरिटेज/संग्रहालय का स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।	–

	संरक्षण हेतु संग्रहालय तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत के इच्छुक युवाओं हेतु संगीत महाविद्यालय निर्मित किया जाना है।								
04– महान विभूतियों की मूर्तियां/शहीद स्मारक का निर्माण	शहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं मूर्ति स्थापना।	–	3000	–	महान विभूतियों/शहीदों की स्मृति में 2 स्मारकों/मूर्तियों का निर्माण।	2	–	शहीदों का बलिदान एवं योगदान असंख्य जनमानस विशेषकर युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणास्रोत होगा।	2
05–नेहरू हेरिटेज सेन्टर	नेहरू जी की स्मृतियों को संजोए रखने के उद्देश्य से देहरादून के पुराने जेल परिसर स्थित नेहरू वार्ड को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित कर नेहरू जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से भावी पीढ़ी को परिचित कराना।	–	3130	–	देहरादून में पुराने जेल परिसर स्थित नेहरू वार्ड का जीर्णोद्धार कर लिया गया है।	1	–	स्वाधीनता संग्राम में नेहरू जी के योगदान, उनके त्याग व जीवन आदर्शों तथा मार्गदर्शन से लोगों को परिचित कराना।	1
800–अन्य व्यय–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101–13वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत राज्य स्तरीय वृहद प्रेक्षागृह का निर्माण।	आई0एच0एम0 परिसर, देहरादून में हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मूलभूत सुविधाओं के साथ–साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को सुचारू रूप से एक ही परिसर में संचालित करते हुये कलाकारों को उनकी प्रस्तुति हेतु मंच प्रदान करने के साथ–साथ चित्रकारों की पेंटिंग्स आम जनमानस के अवलोकनार्थ आर्ट गैलरी तथा पुरावशेष एवं	–	50000	–	देहरादून में राज्य स्तरीय प्रेक्षागृह की स्थापना की जानी है।	–	–	प्रदर्शन कला के लिए कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा को राज्य स्तरीय सांस्कृतिक परिसर के माध्यम से जन सामान्य के अवलोकनार्थ संरक्षित करना।	–

	बहुमूल्य कलाकृतियों के संरक्षण हेतु निर्मित किया जाना।								
03–सांस्कृतिक परिषद/कला केन्द्र/ विद्यालय/ ऑडिटोरियम आदि का निर्माण	प्रदेश के जिन जनपदों में संस्कृति विभाग की कोई भी संस्था कार्यरत अथवा संचालित नहीं है उन जनपदों में लोक कलाकारों के प्रशिक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना।	–	25000	–	प्रदेश के विभिन्न स्थानों में 10 प्रेक्षागृहों का निर्माण।	5 प्रेक्षागृह निर्माणा–धीन	–	प्रदर्शन कला के लिए कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, चित्रकारों की चित्रकलाओं को आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा को संग्रहालय के माध्यम से जन सामान्य के अवलोकनार्थ संरक्षित करना।	–
2205–कला एवं संस्कृति–102–कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन–02–अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान–0201–लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य	पारम्परिक लोक कलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनूसूचित जाति के लोगों को जो अपनी कलाओं में निपुण हैं, उनके द्वारा अपनी जाति के अन्य लाभार्थियों को कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करना एवं विशेषतया ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित पारम्परिक पर्वों और मेलों के अवसर पर कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था एवं इनका अभिलेखन कार्य।	–	3500	–	संगीत प्रशिक्षण कार्यशाला, पारम्परिक वाद्य समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनार्थ।	5 गैर सरकारी संस्थाओं को प्रशिक्षण कार्यशा–लाओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता दी गई।	–	अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों की उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की कला को नई पीढ़ियों तक पहुँचाने तथा उनकी कला को जीवन्त रखने हेतु अभिलेखीकरण तथा उनकी लुप्तप्राय कलाओं के प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन।	90
0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं	अनुसूचित जाति के व्यक्ति जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम	–	2000	–	अनुसूचित जाति के 35 लोक कलाकारों को वाद्य यंत्र	–	–	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर	–

वेश–भूषा का क्रय	से होती है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।				एवं वेश भूषा उपलब्ध कराया जाना।			उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न तथा रोजगार परक बनाना।	
4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 –कला एवं संस्कृति–800– अन्य व्यय–03 –कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन	अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सभागार, मिनी ऑडिटोरियम तथा संस्कृति भवन का निर्माण।	–	1200	–	अनु0जाति बाहुल्य गांवों में 2 मिनी आडिटोरियम का निर्माण।	1 जनपद पौड़ी के अन्तर्गत दुगड्डा में सांस्कृतिक भवन का निर्माण।	–	अनुसूचित जाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना है।	–
2205–कला एवं संस्कृति–00–796–जन जातीय क्षेत्र उप योजना–02–जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना	जनजातीय कला एवं संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	–	2000	–	जन जातीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु 3 कार्यक्रम यथा–अखिल भारतीय जन जातिसम्मेलन एवं जनजातीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।	2	–	अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों की उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की कला को नई पीढ़ियों तक पहुँचाने तथा उनकी कला को जीवन्त रखने हेतु अभिलेखीकरण तथा उनकी लुप्तप्राय कलाओं के प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन।	2

03–पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेशभूषा का क्रय	अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति/कलाकार जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होता है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	–	800	–	जनजातीय क्षेत्र के लोक कलाकारों को वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराया जाना।	–	–	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न तथा रोजगार परक बनाना।	–
	योग–	100163	205758	–	–	–	–	–	–

अध्याय–5

5. वित्तीय समीक्षा

❖ योजनावार प्राविधान तथा व्यय (वित्तीय वर्ष 2012–13 माह फरवरी, 2013 तक)

(धनराशि हजार ₹ में)

योजना का नाम	बजट प्राविधान		स्वीकृत धनराशि		व्यय	
	नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान
2205–कला एवं संस्कृति – 00 001–निदेशन तथा प्रशासन 03–सांस्कृतिक कार्य निदेशालय	4991	7329	4990	7329	4063	5938
42–अन्य व्यय (सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन)	–	15000	–	25000	–	15091
101–ललित कला शिक्षा–03 –भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय	9246	8195	9245	8194	7303	4543
102–कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन–0102–अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु सहायता	–	250	–	–	–	–
0103–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता	–	1000	–	–	–	–
0110–कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता	–	25	–	8	–	–
03–स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान	–	1000	–	1000	–	1000
04–स्व0 गो0ब0 पन्त लोक कला संस्थान	532	776	529	774	295	509
06–साहित्यिक कला परिषद की स्थापना	–	1000	–	–	–	–
08–रंगमण्डल स्थापना	–	1500	–	1500	–	984

09–वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन	–	5000	–	5000	–	3380
10–महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना–1091–जिला योजना	–	6000	–	6000	–	4600
12–शहीद स्मारक	4000	–	1333	–	696	–
13–उदय शंकर नृत्य अकादमी का संचालन	–	10000	–	10000	–	10000
19–सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय	–	6000	–	–	–	–
23–महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	–	800	–	800	–	302
25–कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति योजना	–	1500	–	–	–	–
32–देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना	–	1500	–	–	–	–
33– लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	–	1500	–	500	–	–
34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता।	–	700	–	233	–	200
35– मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता	–	5000	–	5000	–	3690
36– संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण	–	1000	–	1000	–	120
37– स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन	–	2500	–	2500	–	2500
103–पुरातत्व विज्ञान 0101–पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन (50 प्रतिशत के0स0)	743	–	741	–	370	–
03–पुरातत्व अधिष्ठान	7536	1300	9215	1300	5668	39
104–अभिलेखागार 0102–राज्य अभिलेखागार हेतु उपकरणों का क्रय	–	1	–	–	–	–
03–राज्य अभिलेख	4011	5457	4008	5456	2580	3794

107–संग्रहालय 03–अधिष्ठान व्यय	6604	2795	6601	2794	4944	1355
4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04–कला एवं संस्कृति –106–संग्रहालय–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101–13वें वित्त आयोग की संस्तुति के क्रम में संग्रहालय का निर्माण	62500	–	–	–	–	–
03–संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण	–	28000	–	11859	–	–
04– महान विभूतियों की मूर्तियां/शहीद स्मारक का निर्माण	–	3000	–	2657	–	2657
05–नेहरू हेरिटेज सेन्टर	–	3130	–	3130	–	3130
800–अन्य व्यय–01– केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ–0101–13वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत राज्य स्तरीय वृहद प्रेक्षागृह का निर्माण।	–	50000	–	–	–	–
03–सांस्कृतिक परिषद/कला केन्द्र /विद्यालय/ ऑडिटोरियम आदि का निर्माण	–	25000	–	–	–	–
2205–कला एवं संस्कृति–102 –कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन–02–अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान– 0201 –लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य	–	3500	–	1167	–	75
0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	–	2000	–	667	–	–

4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04 –कला एवं संस्कृति–800–अन्य व्यय–03–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन	–	1200	–	982	–	982
2205–कला एवं संस्कृति–00 –796–जनजातीय क्षेत्र उप योजना–02–जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना	–	2000	–	667	–	350
03–पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेशभूषा का क्रय	–	800	–	267	–	–
योग–	100163	205758	36662	105784	25919	65239